सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

आवश्यकता है

ऑफिस के लिए चाय-नाश्ता, खाना बनाने एवं ऑफिस कार्य हेतु प्यून की आवश्यकता है।

वेतन चार अंकों में ....

पता : शॉप नंबर 12, रेलवे क्रासिंग के पास, आकाशगंगा , सुपेला, भिला
संपर्क : 9827806026, 7869620239

वर्ष- 15 अंक - 85 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 07 जनवरी 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

डिपो से लकड़ी चोरी कर रहे थे युवक, मना करने पर फॉरेस्ट ऑफिसर को परिवार सहित पीटा

जशपुर। जशपुर जिले के सन्ना वन परिसर में युवकों ने एक फॉरेस्ट गार्ड बीएफओ और उसके परिवार की पिटाई कर दी। बताया जा रहा है कि युवक लकड़ी चोरी कर रहे थे। मना करने पर उन्होंने गाली-गलौज और मारपीट की। इस घटना की पुष्टि करते हुए डीएफओ जितेंद्र उपाध्याय ने बताया कि घटना को लेकर सन्ना थाने में पीड़ित ने परिवार समेत पहुंचकर शिकायत की है। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। पीड़ित बीएफओ ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि सन्ना वन परिक्षेत्र के वनकर्मियों के परिसर से लगे लकड़ी डिपो में शाहनवाज खान, रोहित साहू, रवि भगत, सैफ अंसारी, बबलू ठाकुर, राकेश ताम्रकर समेत 10 युवक ठंड में अलाव जलाने के लिए डिपो से लकड़ी चोरी कर रहे थे। वनपाल शांति स्वरूप तिवारी और निरंजन मिंज ने उन्हें मना किया। इस पर चोरी करने वाले युवा भड़क गए। युवक गाली-गलौज करने लगे और मारपीट की नौबत आ गई। विवाद बढ़ता देख बीएफओ सुधन साय पैंकरा बीच-बचाव करने पहुंचे। नशे में धुत कुछ युवाओं ने न केवल फॉरेस्ट ऑफिसर सुधन की पिटाई शुरू कर दी, बल्कि उसकी पत्नी व बेटी को भी घसीटकर मारा। घटना के बाद पीड़ित परिवार ने सन्ना थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है। थाना प्रभारी हर्षवर्धन चौरासे ने बताया कि पीड़ितों ने लिखित शिकायत की है। मारपीट करने वालों का मेडिकल कराया जा रहा है। कार्रवाई जरूर होगी।

अब छत्तीसगढ़ में भी ड्रोन से घर पहुंचेगी दवाइयां! अंबिकापुर से होगी शुरूआत, स्वास्थ्य दीदियों के हाथों कमान

अंबिकापुर। ड्रोन टेक्नोलॉजी इन हेल्थ केयर के तहत देश के 25 मेडिकल कॉलेजों में छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर का चयन भी किया गया है। अंबिकापुर के राजमाता देवेंद्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविध्यालय से ड्रोन टेक्नोलॉजी का उपयोग करने वालो की एक टीम बनाकर तैयार की जाएगी। ड्रोन टेक्नोलॉजी का यह यह उपयोग यातायात बाधित होने या फिर आपदा की स्थिती के दौरान दवाओं और सैम्पल जमा करने के लिए किए जाएगा। इस विषय की पूरी पढ़ाई मेडिकल कॉलेज में अलग-अलग चरणों में तैयार की जाएगी।

भारत सरकार के द्वारा आपदा के समय टेक्नोलॉजी का भरपूर इस्तेमाल किस तरह से किया जाए उसे ध्यान में रखते हुए ड्रोन टेक्नोलॉजी को मेडिकल यूनिट में शामिल करने का निर्णय लिया गया है। इस योजना का उद्देश्य आपदा, विपदा के समय लोगों को राहत पहुंचाना है। ड्रोन टेक्नोलॉजी का उपयोग कर हड़ताल, ट्रैफिक, सड़क दुर्घटना जैसी स्थिति में मेडिकल सुविधा मोहिया करना, साथ ही कोविड जैसी महामारी के वक्त इस तरह की ड्रोन टेक्नोलॉजी का उपयोग सुरक्षा के दायरे में आता है। ड्रोन टेक्नोलॉजी का उपयोग कर भविष्य में मेडिकल सुविधाओं को जल्द से जल्द पहुंचने में सफलता हासिल होगी।

इसकी शुरुआत सबसे पहले दूरस्थ आदिवासी अंचल होने के नाते छत्तीसगढ़ के सरगुजा क्षेत्र के मेडिकल हॉस्पिटल का चयन किया गया है। ड्रोन टेक्नोलॉजी को लेकर हाल ही में मिली जानकारी में यह पता चला है कि यह प्रशिक्षण सबसे पहले महिलाओं को दिया जा रहा है। महिलाओं को ड्रोन चलाने का प्रशिक्षण देने का तात्पर्य साफ यह है कि स्वास्थ्य विभाग की दीदियां ही इस ड्रोन टेक्नोलॉजी का उपयोग कर दवा पहुंचने का कार्य करेंगी। इसके साथ ही मेडिकल कॉलेज के डीन आर मूर्ति के अनुसार मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर का चयन ड्रोन टेक्नोलॉजी इन हेल्थ केयर के लिए किया जाना क्षेत्र के लोगों के लिए गर्व की बात है।

भाजपा ने शुरू की लोकसभा चुनाव की तैयारी दुर्ग व बस्तर में दिखी पार्टी की जुगलबंदी

दुर्ग में सीएम साय ने मोदी की गारंटी के वादों को गिनाया, कहा- जल्द शुरू होगी महतारी वंदन योजना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। विधानसभा चुनाव में शानदार जीत के बाद छत्तीसगढ़ भाजपा ने अब लोकसभा चुनाव के लिए कमर कस लिया है। शनिवार को जगदलपुर व दुर्ग में संभागीय कार्यकर्ता सम्मेलन हुए। दोनों ही कार्यक्रमों में सीएम विष्णुदेव साय शामिल हुए। दुर्ग में हुए सम्मेलन में सीएम साय ने पीएम मोदी की गारंटी के वादों को गिनाया। इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि मोदी गारंटी के 5 वादे 24 दिन में ही पूरे कर दिए हैं। महतारी वंदन योजना के तहत विवाहित महिलाओं के खाते में 12,000 रुपए जल्द आ जाएंगे। उज्जवला गैस योजना के पात्र हितग्राहियों को 500 रुपए में गैस सिलेंडर भी जल्द मिलेगा।

इससे पहले सीएम विष्णुदेव साय कार्यकर्ता सम्मान समारोह में शामिल होने जगदलपुर गए। वहां सबसे पहले मां दंतेश्वरी का आशीर्वाद लिया। इस दौरान डिप्टी सीएम अरुण साव व विजय शर्मा और प्रदेश प्रभारी ओम माथुर जगदलपुर में कार्यकर्ता अभिनंदन कार्यक्रम में शामिल हुए और यहीं से उन्होंने लोकसभा चुनाव के लिए बिगुल फूंका। इस अवसर पर ओम माथुर ने कहा कि विपक्षी दलों का इंडी गठबंधन हो या फ्रिंडी गठबंधन, भाजपा कार्यकर्ताओं के सामने वे कुछ भी नहीं हैं। ओम माथुर ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्वगुरु बनने की ओर भारत लगातार अग्रसर है। कार्यकर्ताओं से उन्होंने कहा कि सभी इस बात का संकल्प लें कि जब तक भारत को फिर से विश्वगुरु नहीं बना देंगे, तब तक न रुकेंगे और न थकेंगे। ओम माथुर ने कहा कि जब तक छत्तीसगढ़ की सभी 11 लोकसभा सीटें जीतने का लक्ष्य है। कार्यकर्ता अथक परिश्रम का परिणाम विधानसभा चुनाव में देख चुके हैं। अब लोकसभा चुनाव में भी नतीजे देखेंगे। जगदलपुर के कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, वन मंत्री केदार कश्यप, चित्रकोट विधायक विनायक गोयल, केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम, कांकेर विधायक आशाराम नेताम ने भी अपनी बात रखी।

दुर्ग में सीएम साय ने कहा- पूरी कर रहे हैं पीएम मोदी की गारंटी

दुर्ग के रविशंकर शुक्ल स्टेडियम में आयोजित संभागीय सम्मेलन में सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार पीएम मोदी के गारंटियों को पूरा करने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि शपथ लेने के बाद सबसे पहले दोनों डिप्टी सीएम अरुण साव और विजय शर्मा के साथ कैबिनेट बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत राज्य के 18 लाख गरीब परिवारों के आवासों को मंजूरी दी। इसके बाद दूसरी सबसे बड़ी गारंटी किसानों को वर्ष 2014-15 और 2015-16 के बकाया बोनस का भुगतान को पूरा किया। 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस के अवसर पर प्रदेश के 12 लाख किसानों के खातों में बोनस के रूप में 3,716 करोड़ रुपए भेज दिए। सीएम साय ने कहा कि हमारी पार्टी ने चुनाव के दौरान संकल्प पत्र जिसे मोदी की गारंटी का नाम दिया गया था, में कहा था कि राज्य में 3100 रुपए क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी की जाएगी। इसके लिए आदेश जारी कर दिए हैं। किसानों को बकाया धान के लिए टोकन भी दिया जा रहा है।

प्रदेश में कार्यकर्ताओं के समर्पण से बनी भाजपा की सरकार

इस संभागीय कार्यकर्ता अभिनंदन समारोह में सात जिलों दुर्ग, राजनांदगांव, कवर्धा, बालोद, बेमेतरा, खैरागढ़, मानपुर मोहला पार्टी संगठन के पदाधिकारियों से लेकर बूथ स्तर के कार्यकर्ता आए हुए थे। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण सिंह देव ने विधानसभा चुनाव में पार्टी को ऐतिहासिक जीत दिलाने के लिए सबका आभार माना। उन्होंने कहा कि ने केवल भाजपा को पहली बार सर्वाधिक 54 सीटें मिली बल्कि भाजपा को वोट प्रतिशत भी अब तक का सबसे अधिक 46.27त्न पर पहुंच गया। उन्होंने इस जीत का पूरा श्रेय कार्यकर्ताओं को दिया गया। इसके लिए कार्यकर्ताओं के प्रतिनिधि के तौर पर भाजपा के प्रदेश संगठन प्रभारी ओम माथुर का सीएम साय सहित सभी नेताओं ने अभिनंदन किया। सभा को राज्यसभा सदस्य सरोज पांडेय, पूर्व मंत्री प्रेमप्रकाश पांडेय, सांसद संतोष पांडेय, मंत्री दयालदास बघेल, भूपेंद्र सवन्नी, विधायक गजेंद्र यादव, रिकेश सेन, ललित चंद्राकर, ईश्वर साहू, दीपेश साहू, डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, भावना बोहरा ने भी संबोधित किया। सभी ने जीत का श्रेय कार्यकर्ताओं को दिया। साथ ही आगामी लोकसभा चुनाव के लिए भी अभी से कमर कस लेने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रथम नगर आगमन पर मालवीय नगर चौक और राजेंद्र पार्क चौक पर नगरवासियों ने पुष्प गुच्छ भेंट कर और पुष्प वर्षा करते हुए भव्य स्वागत किया गया। इससे पहले बटालियन हैलीपेड पर जनप्रतिनिधियों, नागरिकों और अफसरों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

बांग्लादेश भाग्यशाली हैं कि भारत हमारा दोस्त है', चुनाव वाले दिन पीएम शेख हसीना का संदेश

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में हिंसा के बीच वोटिंग हो रही है। सुबह आठ बजे मतदान शुरू हुआ। उपद्रवियों के द्वारा अब तक करीब 17 पोलिंग बूथ को आग के हवाले कर दिया गया है। प्रधानमंत्री शेख हसीना आज सुबह-सुबह मतदान किया। चुनाव से पहले बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा कि हम ये सुनिश्चित करेंगे कि देश में लोकतंत्र रहे और लोगों के लोकतांत्रिक अधिकार सुरक्षित रहें।

शेख हसीना ने भारत की तारीफ की

मतदान से पहले प्रधानमंत्री शेख हसीना ने मीडिया से बात की। इस दौरान भारत के एक पत्रकार ने प्रधानमंत्री शेख हसीना से बात की। इस पर शेख हसीना ने कहा कि 'आपका बहुत स्वागत है। हम बहुत भाग्यशाली हैं कि हमारा भारत जैसा विश्वसनीय दोस्त है। लिब्रेशन वार के दौरान उन्होंने (भारत) हमारा समर्थन किया। 1975 के बाद जब हमारा पूरा परिवार खत्म हो गया तो उन्होंने हमें शरण दी। इसलिए भारत के लोगों के लिए हमारी शुभकामनाएं हैं।' प्रधानमंत्री ने कहा कि 'हमारा देश संप्रभु और स्वतंत्र हैं...हमारी बड़ी जनसंख्या हैं। हमने लोगों को लोकतांत्रिक अधिकार दिए हैं। मैं सुनिश्चित करना चाहती हूं कि देश में लोकतंत्र जारी रहे।'

बांग्लादेश में चुनाव को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम

बांग्लादेश चुनाव को कवर करने के लिए 127 देशों के पर्यवेक्षक और 73 पत्रकार आधिकारिक तौर पर बांग्लादेश में हैं। बांग्लादेश में रविवार को 12वें संसदीय चुनाव के लिए वोट डाले जा रहे हैं। यह मतदान बीएनपी समेत तमाम विपक्षी पार्टियां इस चुनाव का बहिष्कार कर रहे हैं। विपक्षी पार्टियों की मांग थी कि केयरटेकर सरकार की निगरानी में आम चुनाव कराए जाएं लेकिन शेख हसीना सरकार ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया। इसके विरोध में विपक्ष ने चुनाव का बहिष्कार कर दिया। यही वजह है कि बांग्लादेश में हिंसक घटनाएं हो रही हैं और हिंसा को देखते हुए चुनाव में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

दो महिने बाद युवक की दफनाई हुई लाश से खुलेगा मौत का राज, हत्या या आत्महत्या की सुलझेगी गुत्थी

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। पंचनामा कर युवक की लाश को दफ्नाने के बाद परिजनों की शिकायत पर कब्र से बाहर निकलने का मामला सामने आया है। यह मामला छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले के कोतवाली थाने का है। जहां के गोबरी नदी के पास एक अज्ञात लाश मिली थी। पुलिस के द्वारा शव की पहचान कराने की बहुत कोशिश की गई लेकिन शव की पहचान नहीं की जा सकी। इसके बाद पुलिस ने शव का पंचनामा कराकर उसे कब्रिस्तान में दफ्ना दिया था। अब दो महीने से ज्यादा का वक्त पूरा होने के बाद, सोशल मीडिया में वायरल फेटो की पहचान करते हुए एक परिवार कोतवाली थाने पहुंचा और खुद को मृतक का सगा भाई बताया है।

बताया जा रहा है कि किसी ने सोशल मीडिया में अज्ञात व्यक्ति जिसे पुलिस के द्वारा दफ्ना दिया गया था, उसकी फेटो वायरल कर दी। वायरल फेटो को देखने के बाद एक परिवार कोतवाली थाने पहुंचा, जिसने अज्ञात व्यक्ति को उसके परिवार का सदस्य बताया। मृतक की पहचान की जाने के बाद उनके परिजनों ने पुलिस को आवेदन दिया। परिजनों के आवेदन के बाद पुलिस के द्वारा जिला प्रशासन से शव को कब्र से बाहर निकालने की अर्जी लगाई, जिला प्रशासन के आदेश के बाद शव को कब्र से बाहर निकल गया है। वहीं पुलिस की मौजूदगी में शव को परिजनों को सौंप दिया गया है। परिजनों के अनुसार मृतक का नाम शोभनाथ बताया जा रहा है। परिजनों का आरोप है कि शव नदी के पास कैसे पहुंचा इस बात की उनको जानकारी नहीं है। इस पूरे मामले की पुलिस को गहराई से जांच करने की जरूरत है।

वहीं अज्ञात शव की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने राहत की सांस ली है। दूसरी तरफ पुलिस ने परिजनों को शव सौंप कर अब नए सिरे से इस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस के द्वारा हत्या और आत्महत्या दोनों पहलुओं पर जांच कर रही है। पुलिस की प्राथमिक जांच से यह पता चलता है कि युवक की मौत नदी में डूबने से हुई है। फ्लिहाल पुलिस मृतक के करीबी लोग से अब पूछताछ कर रही है। जल्द ही यह हत्या, आत्महत्या या फिर हादसा पुरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

वायुसेना को मिली बड़ी सफलता, पहली बार रात में सुपर हरक्यूलिस विमान की कारगिल में कराई सफल लैंडिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना को बड़ी सफ्लता मिली है। दरअसल वायुसेना ने अपने सी-130जे सुपर हरक्यूलिस विमान को रात के समय कारगिल हवाई पट्टी पर उतारने में सफ्लता हासिल की है। इस दौरान वायुसेना के गरुड़ कमांडोज को भी सुपर हरक्यूलिस विमान में बिठाकर कारगिल भेजा गया। यह कमांडोज की ट्रेनिंग का भी हिस्सा था कि कैसे आपात स्थिति में उनकी जल्द से जल्द मोर्चे पर तैनाती की जा सकती है। गरुड़ कमांडो फोर्स, वायुसेना की स्पेशल फोर्स है। वायुसेना ने लैंडिंग का वीडियो भी सोशल मीडिया पर साझा किया है।

क्यों खास है ये मिशन

ऊंचाई वाले मुश्किल हालात में एयरक्राफ्ट की लैंडिंग हमेशा से चुनौतीपूर्ण रहती है। ऐसे में कारगिल जैसे ऊंचे पहाड़ों वाले इलाके में सुपर हरक्यूलिस विमान की सफ्ल लैंडिंग एक बड़ी

सफ्लता है। इस ऑपरेशन के दौरान वायुसेना ने रात के अंधेरे में कारगिल जैसी चुनौतीपूर्ण एयरस्ट्रिप पर सफ्लतापूर्वक सुपर हरक्यूलिस की लैंडिंग कराकर ना सिर्फ अपनी तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन किया है, साथ ही इस ऑपरेशन की काफी रणनीतिक अहमियत भी है।

कारगिल की एयरस्ट्रिप 8800 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। इतनी ऊंचाई पर खराब मौसम और तेज हवाएं सबसे बड़ी चुनौती होती हैं। ऐसे में लैंडिंग के लिए उच्च स्तर की तकनीकी दक्षता की जरूरत होती है। गरुड़ कमांडो को सफ्लतापूर्वक कारगिल पहुंचाने से एयरफोर्स की लॉजिस्टिक क्षमता के साथ ही वायुसेना की हवाई के साथ ही जमीनी तैयारी का भी पता चलता है। इससे पता चलता है कि वायुसेना मुश्किल से मुश्किल हालात में भी अपने सैनिकों की तैनाती जल्द से जल्द कर सकती है।

इससे पहले वायुसेना के पायलटों ने उत्तराखंड में धारासू में सुपर हरक्यूलिस विमान की सफ्ल लैंडिंग कराई थी। खास बात ये है कि ये लैंडिंग भी एक चुनौतीपूर्ण मौसम में कराई गई थी। धारासू में जहां लैंडिंग कराई गई, वह 3000 फीट की ऊंचाई पर स्थित जगह है। अमेरिका की लॉकहीड मार्टिन कंपनी द्वारा बनाया गया सी-130जे सुपर हरक्यूलिस विमान एक ट्रांसपोर्ट विमान है, जो वायुसेना की 12वीं फ्लीट का हिस्सा है। इन्हें साल 2011 में वायुसेना में शामिल किया गया था।

संपादकीय

कांग्रेस की एक और यात्रा

इस चुनावी साल में देश का माहौल अपने अनुकूल बनाने की कोशिश के तौर पर जहां सत्तारूढ़ बीजेपी अयोध्या में राममंदिर से जुड़ी गतिविधियों पर अधिक से अधिक जोर दे रही है, वहीं प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस ने राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का एलान कर दिया है। पिछले साल की भारत जोड़ो यात्रा की कामयाबी से प्रेरित कांग्रेस इस यात्रा को थोड़ा अलग रखते हुए भी चाहती है कि लोग इसे उसी यात्रा की अगली कड़ी के रूप में देखें। इसलिए भले ही लोकसभा चुनावों के मद्देनजर वक्त की कमी का हवाला देते हुए इसे हाइब्रिड मोड में रखा गया है, यानी यात्रा का बड़ा हिस्सा बस में तय होगा और बीच-बीच में पैदल मार्च भी किया जाएगा, लेकिन भारत न्याय यात्रा नाम घोषित कर देने के बाद उसे बदलकर भारत जोड़ो न्याय यात्रा किया गया तो इसके पीछे मकसद यही है कि भारत जोड़ो का संदर्भ कमजोर न पड़ जाए। यात्रा की शुरुआत हिंसा पीड़ित मणिपुर से करना अपने आप में एक बड़ा संदेश है जो कांग्रेस अधिक से अधिक प्रचारित करना चाहेगी। इसके साथ ही यात्रा के केंद्र में न्याय को रखना बताता है कि कांग्रेस इसके जरिए न सिर्फ संवैधानिक मूल्यों पर जोर देना चाहती है बल्कि यह दिखाना चाहती है कि सत्तारूढ़ पक्ष एक धर्म, एक पंथ, एक संस्कृति और एक नेता पर जोर देते हुए भारत की उस मूल दृष्टि को नुकसान पहुंचा रहा है, जो सबके साथ न्याय और सबके साथ उदारता की बदौलत भारत की बहुलता की रक्षा करती रही है। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान तालमेल में कमी के चलते कई जगह क्षेत्रीय विपक्षी पार्टियों के नेता उससे दूरी बरतते देखे गए थे। इस बार कांग्रेस ने पहले से ही साफकर दिया है कि INDIA गठबंधन के सभी घटक दलों को इसमें शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। इसकी शुरुआत के समय ही सभी विपक्षी दलों के मुख्यमंत्रियों की मौजूदगी सुनिश्चित करने के प्रयास हो रहे हैं। जहां तक इस यात्रा के प्रभावों का सवाल है तो निश्चित रूप से मौजूदा माहौल में इसकी सबसे बड़ी कसौटी आगामी लोकसभा चुनाव को ही माना जाएगा। पिछली भारत जोड़ो यात्रा के अनुभव से देखें तो उसने राहुल गांधी के पक्ष में थोडा माहौल बनाया, उन्हें एक गंभीर नेता की छवि भी दी, लेकिन चुनावी कसौटियों पर उसका असर मिला-जुला ही रहा। चुनाव में वैसे भी बहुत से कारक होते हैं। यह दूसरी यात्रा अगर कांग्रेस और विपक्षी दलों के पक्ष में माहौल बनाती है तो निश्चित रूप से उनके लिए यह एक अच्छी बात होगी, लेकिन चुनावों में इसका वे कितना फायदा उठा पाते हैं, यह उनकी तैयारी के दूसरे पक्षों पर निर्भर करेगा।

> पिछली भारत जोड़ो यात्रा के अनुभव से देखें तो उसने राहुल गांधी के पक्ष में थोडा माहौल बनाया, उन्हें एक गंभीर नेता की छवि भी दी, लेकिन चुनावी कसौटियों पर उसका असर मिला-जुला ही रहा। चुनाव में वैसे भी बहुत से कारक होते हैं।

भीड़ में खोई जिंदगी!

मैं पंद्रह-बीस दिन भीड़ में खोया रहा। दिल्ली की भीड़, ट्रेन की भीड़, शादी की भीड़, एयरपोर्ट की भीड़! और ठंड-ठिठुरन, प्रदूषण, बदबू, बदहजमी, धुंध में ऐसा फंसा कि समझ नहीं आया कि करें तो क्या करें! लिखें तो क्या लिखें! कुछ वर्षों से मैं दीपावली के बाद, सर्दियों में दिल्ली से दूर राजस्थान में रहता हूं। लेकिन इस वर्ष दिल्ली में अभिन्न परिवारों से शादियों के न्योते थे तो दिल्ली आना पड़ा। और ठंड, भीड़, प्रदूषण से बच नहीं पाया। बुखार, वायरल, खांसी से दिमाग झनझनाया। और सवाल बना कि हम हो क्या गए हैं? सही है शुरू से ही भीड़ हमारी प्रकृति, दशा-मनोदशा और नियति है लेकिन भीड़ तो मुझे 1975 में दिल्ली आने के वक्त भी फील हुई थी। उन दिनों मैं भी 31 दिसंबर की रात और पहली जनवरी के दिन कनॉट प्लेस, इंडिया गेट इलाके में भीड़ के जश्न में होता था। पर तब और अब के माहौल और चेहरों का फर्क! तब न प्रदूषण था, न बीमारियां थीं और न इस तरह की खबरें पढ़ने को मिलती थी कि ठंड, प्रदूषण और हाइपरटेंशन से दिल्ली के लोगों में स्ट्रोक्स की 40 प्रतिशत बढ़ोतरी है। आईसीयू में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या में 20 प्रतिशत तक की वृद्धि है। स्ट्रोक जैसी जानलेवा बीमारी का कारण ठंड और बढ़ता प्रदूषण है। और डॉक्टर बुखार, खांसी पर न केवल वायरल, वायरस की चेतावनी देते हैं, बल्कि कई तरह की जांच भी करवाते हैं।

दिल्ली में अस्सी-नब्बे के दशक में भी ठंड पड़ती थी। और इन सालों की तुलना में अधिक। पर तब ठंड में मजा था। मैं उन दिनों नई दिल्ली के एनडीएमसी इलाके में ही रहता था तो ठंड के बावजूद तालकटोरा पार्क घूमने का ठीकाना था। सर्दियों में दिल्ली के मंडी हाउस इलाके में संगीत, नाटक, कला प्रदर्शनियों, साहित्य अकादमी की गतिविविधियों का अंबार लगा होता था। लोगों को याद नहीं रहा होगा मगर सत्य है जो अखबारों के लोकल पेज में तब 'आज के कार्यक्रम' में पूरा कॉलम शहर में होने वाली सांस्कृतिक गतिविधियों की सूचना देता था। रात-रात भर संगीत कार्यक्रम होते थे। त्रिवेणी, कमानी, एनएसडी, मार्डन स्कूल, प्रगति मैदान में शास्त्रीय संगीत, किताब चर्चा, अंतरराष्ट्रीय स्तर की कला प्रर्दशनी जैसे त्रिनाले, नाट्य पखवाड़ा और दूतावासों के सांस्कृतिक केंद्रों में भी सिनेमा-कला के शो हुआ करते थे।

वैसा अब कुछ नहीं है। दिल्ली सांस्कृतिक तौर पर पूरी तरह सूखी और उजड़ी हुई है। और सबसे बड़ा त्रासद सत्य दिल्ली में तब लोगों का जो हुजूम होता था, जिस कद-काठी के चेहरों का जो संभ्रात वर्ग दिखता था, उसकी कल्पना अब संभव नहीं है। इसलिए कि पहली बात तो दिल्ली में कला- साहित्य, नाटक, सांस्कृतिक गतिविधियां हैं कहां जो जमावड़ा बने? और जैसा दिल्ली में है वैसा मुंबई, कोलकत्ता, चेन्नई, पुणे आदि महानगरों में भी है। मुंबई-पुणे भी एक वक्त मराठी रंगमंच, जहांगीर आर्ट गैलेरी, कला प्रर्दशनियों, साहित्यिक लेखन, बहस का ठिकाना होता था। लेकिन ये भी अब भीड़, धंधे, पैसे और झुग्गी-झोपड़ी के शहर हैं। जेआरडी के वक्त टाटा ग्रुप के आर्ट-कल्चर के जैसे प्रकाशन हुआ करते थे वैसा अब कुछ भी नहीं है। उनके उत्तराधिकारी रतन टाटा, अंबानी-अडानी जैसे कितने ही खरबपति पैदा हो गए हों लेकिन ये कुल मिलाकर गरबा डांस, फिल्मी ग्लैमर और दिखावे के, महज फैशन स्टेटमेंट हैं! टाटा ग्रुप ने ज्ञान-विज्ञान-रिसर्च की कितनी संस्थाएं बनाई थी जबकि रतन टाटा के वक्त एक भी नहीं। और लाइसेंस राज के अंबानी-अडानी आदि की देन पर तो सोचना ही क्या!

इस एक जनवरी को इंडिया गेट इलाका भीड़ से भरा था। कथित एलिट बाजार खान मार्केट के मेट्रो स्टेशन में बाहर तक लंबी लाइन थी। खान मार्केट में फैशन स्टेटमेंट याकि विदेशी ब्रांड के बैग, कपड़े आदि के लटके-झटके के कथित कुलीन चेहरों के साथ भदेस चेहरों का कुछ ऐसा नजारा था कि जुगुप्सा बनी कि हम कैसे बेड़ौल, अजब नमूना बन गए हैं! तिरंगी लाइटिंग और पत्थरों को देखने- घूमने के नाम पर भीड़ का नजारा ऐसा था मानों मेरे बचपन के अनुभवों का तेजाजी मेला हो। सही बात है कि दिल्ली-एनसीआर में आधी से अधिक आबादी अब झुग्गीवासियों की है तो भीड़ का आकार-प्रकार बदलेगा ही। कई मायनों में लगता है पीवी नरसिंह राव के उदारीकरण के बाद राजधानियों-महानगरों में गांव-देहात से लोगों के आने का जो सैलाब बना और मनमोहन सिंह-अरविंद केजरीवाल के कारण रेहड़ी अधिकार से लेकर, झुग्गी-झोपड़वासी की लाभार्थी क्लास बनने के दसियों तरह के प्रभावों में क्रास भीडका सैलाब बना हैं। ऊपर से सोशल मीडिया, आबादी में रिकार्ड तोड़ उछाल (इसी सदी में भारत 180 करोड़ लोगों की भीड़ लिए हुए होगा।) और जलवायु परिवर्तन की अलग मार है। तभी इस सदी में यह सत्य साल-दर-साल गंभीर बनना है कि इक्कीसवीं सदी भारत की भीड सदी होगी। प्रदूषित सदी होगी। बीमारियों की सदी होगी। लोगों को बेड़ौल, भदेश याकि क्रास भीड़ में कनवर्ट करवाने वाली सदी होगी! और महानगर कतई रहने लायक नहीं होंगे।

हरिशंकर व्यास

> **खड़गे का इस तरह नाम उछलना जनता दल (यूनाइटेड) के सदस्यों को रास नहीं आया। उनका मानना है कि इस ब्लॉक को बनाने की शुरुआती कवायद हमारे नेता नीतीश कुमार ने की। पटना में ही इसकी पहली बैठक हुई। नीतीश जी न केवल संयोजक होने की काबिलियत रखते हैं, बल्कि उन्हें देश का अगला प्रधानमंत्री भी होना चाहिए।**

इंडिया की गाड़ी कब पटरी पकड़ेगी

शशि शेखर

हिन्दुस्तानी मतदाताओं पर यह आरोप आम है कि उनकी याददाश्त भोथरी है। वे चुनाव सामने देख पिछले मतदान की भूल-चूक बिसरा देते हैं, पर क्या हमारे राजनेता भी ऐसे हैं? तथाकथित इंडिया ब्लॉक के साझीदारों के रुख-रवैये से तो ऐसा ही एहसास होता है। आम चुनाव की घोषणा में अब महज कुछ हफ्तों का समय शेष है, पर उनकी खिचड़ी पकना तो दूर, उसके छोटे-मोटे कंकड़ भी साफ नहीं किए जा सके हैं। भारतीय जनता पार्टी ने जहां अबकी बार, चार सौ पार के महत्वाकांक्षी नारे के साथ चुनावी शंखनाद कर दिया है, वहीं इंडिया के कर्णधार शह और मात के तिलिस्म में उलझे हुए हैं।

आपको याद होगा, पिछली 19 दिसंबर को इंडिया ब्लॉक की बैठक में तृणमूल कांग्रेस ने मल्लिकार्जुन खड़गे को प्रधानमंत्री का चेहरा बनाने का प्रस्ताव रख दिया था। तृणमूल कांग्रेस का मानना है कि नरेंद्र मोदी के सामने खड़े होने का सामर्थ्य सिर्फ खड़गे में है। वजह वह देश की सबसे बड़ी पार्टी के अध्यक्ष हैं। जाति से दलित हैं। उनका लंबा राजनीतिक-प्रशासनिक अनुभव है और बेईमानी का कोई दाग उनके ऊपर नहीं है। कांग्रेस को भी यह 'नैरेटिव' सूट करता है। जब मल्लिकार्जुन खड़गे को पार्टी का अध्यक्ष बनाया गया था, तभी यह चर्चा उभरी थी कि यदि केंद्र में किसी वजह से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार चूकती है, तो वह देश के पहले दलित प्रधानमंत्री हो सकते हैं।

क्या नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली एनडीए चूकने जा रही है? इस सवाल का जवाब आगे दूंगा। पहले इंडिया ब्लॉक के अंतर्विरोधों पर चर्चा।

खड़गे का इस तरह नाम उछलना जनता दल (यूनाइटेड) के सदस्यों को रास नहीं आया। उनका मानना है कि इस ब्लॉक को बनाने की शुरुआती कवायद हमारे नेता नीतीश कुमार ने की। पटना में ही इसकी पहली बैठक हुई। नीतीश जी न केवल संयोजक होने की काबिलियत रखते हैं, बल्कि उन्हें देश का अगला प्रधानमंत्री भी होना चाहिए। चंद महीनों के एक छोटे अंतराल को छोड़ दें, तो वह करीब 19 बरसों से मुख्यमंत्री हैं, उनकी अगुवाई में बिहार के पिछड़ों और महिलाओं ने काफी बढ़त हासिल की है। इस विचारधारा के लोगों का मानना है कि खड़गे साहब बहुत अच्छे हैं, पर वह कभी मुख्यमंत्री नहीं रहे और इस वजह से हमारे नेता का संयोजक पद के लिए बेहतर दावा बनता है।

इसी बीच जनता दल (यू) की अंदरूनी राजनीति में बड़ा परिवर्तन हुआ। पार्टी अध्यक्ष ललन सिंह की जगह नीतीश कुमार ने जनता दल (यू) की अध्यक्षता संभाल ली। इसके साथ ही सियासत की प्याली में तरह-तरह के तूफान उठ खड़े हुए। किसी ने कहा कि वह अब एक बार फिर पाला बदलकर भाजपा का दामन थाम सकते हैं। ऐसे लोगों ने याद दिलाया कि पिछले आम चुनाव से पूर्व भी वह सोनिया गांधी से मिले थे और उनकी अभिलाषा थी कि कांग्रेस उन्हें प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करे। कोई ठोस संकेत न मिलने पर उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के

साथ फिर से गठबंधन कर लिया था। यही वजह है कि ललन सिंह के हटते ही अभी तक सवालों-ख्यालों में पलने वाले इंडिया ब्लॉक में हलचल मच गई।

नीतीश कुमार यहीं नहीं रुके। उन्होंने अरुणाचल पश्चिम संसदीय क्षेत्र से रूही तांगुंग को लोकसभा का उम्मीदवार घोषित करवा दिया। इसके अलावा पार्टी ने विधानसभा चुनाव में भी उतरने की घोषणा कर दी। ये दोनों फैसले इंडिया ब्लॉक की मूल भावना से परे थे। सियासी शतरंज की इस चाल के बाद अगला फैसला कांग्रेस और अन्य दलों को लेना था। यही वह मुकाम है, जहां से उन्हें संयोजक बनाने की कोशिशें नेपथ्य में शुरू हो गईं। हो सकता है, आने वाले कुछ दिनों में उन्हें संयोजक घोषित भी कर दिया जाए। इसमें कोई दो राय नहीं कि इंडिया ब्लॉक की अवधारणा को मूर्त रूप देने के लिए उन्होंने न केवल पहल की, बल्कि बेहद ईमानदार कोशिश की। ऐसे में, संयोजक पद पर उनकी दावेदारी यकीनन बनती है।

रही बात दलित अथवा गैर-दलित प्रधानमंत्री की, तो अभी से इस तरह के सपने बुनना इंडिया ब्लॉक के सदस्यों को शोभा नहीं देता। चुनाव तो वे तब जीतेंगे, जब अपने मतदाताओं को एकजुट कर सकेंगे। अभी तक उन्होंने अपने प्रति सहानुभूति रखने वालों को निराश किया है।

इसके उलट, पिछले साढ़े नौ सालों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय मतदाता के सामने राजनीति की नई अवधारणाएं प्रस्तुत की हैं। लोग मानते हैं कि वह एक ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जो भारत को आगे ले जाने की क्षमता रखते हैं। उनकी पार्टी और सरकार पर पूरी पकड़ है। इंदिरा गांधी के बाद मोदी के अलावा ऐसा कोई प्रधानमंत्री नहीं हुआ, जिसने पार्टी और प्रशासन पर अपनी समान पकड़ साबित की हो। मोदी इस तथ्य को समझते हैं और इसीलिए 'मोदी की गारंटी' जैसे आश्वासन भरे शब्द प्राय: हर भाषण में दोहराते हैं। यही नहीं, उनकी अगुवाई वाली प्रबंधन मशीनरी विपक्ष को सुरक्षात्मक रवैया अख्तियार करने पर रह-रहकर मजबूर करती रहती है। अगली 22 जनवरी को अयोध्या में आयोजित होने वाला रामलला का प्राण-प्रतिष्ठा समारोह इसकी ताजा-तरीन मिसाल है।

इस समारोह के आयोजकों ने सभी विपक्षी नेताओं को आमंत्रित करने के लिए संपर्क साधा है। विपक्षी नेताओं के सामने सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि यदि वे इस समारोह में जाते हैं, तो उन्हें बीजेपी की लाइन पर चलने वाला प्रस्तुत किया जा सकेगा। अगर वे इनकार करते हैं, तो उन्हें हिंदू विरोधी साबित करने की कोशिश और जोर पकड़ेगी। उधर, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा ने इस समारोह को एक नए अभियान की शक्ल देने का निश्चय किया है। 22 जनवरी को प्राण-प्रतिष्ठा होने के बाद 25 मार्च तक लगातार देश के विभिन्न हिस्सों से 'राम भक्तों' को लाने के लिए विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी। पांच-छह सौ किलोमीटर की भौगोलिक दूरी तय करने के लिए बसें भी बुक कराई जा रही हैं। इसी बीच या इसके तत्काल बाद आम चुनाव की तिथियां घोषित हो सकती हैं। पिछली बार, यानी 2019 में 10 मार्च को चुनावों की घोषणा की गई थी और 11 अप्रैल से 19 मई तक सात चरण में होने वाले मतदान की राह हमवार हो गई थी। अब तो आप समझ ही गए होंगे कि राम लहर उपजाने की कोशिशों का मकसद क्या है? इसी बीच 14 जनवरी से राहुल गांधी मणिपुर से महाराष्ट्र तक की यात्रा शुरू करेंगे। आप जानते हैं, पिछली भारत जोड़ो यात्रा के बाद उनकी छवि में खासा सुधार दर्ज किया गया था, लेकिन हिंदी राज्यों में कांग्रेस की हालिया हार ने उनके प्रति पनप रही सहानुभूति पर चोट पहुंचाई है। क्या यह यात्रा उनकी छवि में और सुधार करेगी? क्या इसका लाभ इंडिया ब्लॉक को भी मिलेगा? पिछले विधानसभा चुनावों में ऐसा नहीं हो सका था।

अंत में एक और बात। इंडिया को अपना संयोजक चुनने के अलावा भाजपा की काट के लिए 'काउंटर नैरेटिव' पेश करना होगा। यदि वे ऐसा कर भी लेते हैं, तो क्या उनके पास इसे जन-जन तक पहुंचाने के लिए समय बचा है?

पिता की अंतिम इच्छा पूरी इंसानियत का हक अदा

राकेश पांचाल, उद्यमी, समाजसेवी

इन कंपकंपाती सर्द रातों में गरमागरम भोजन के बाद जब हम अपने लिहाफ में घुसते हैं, तब कितनी बार हमारे ख्यालों में यह आता है कि न जाने कितने सारे देशवासी भूखे पेट, फटे-अधूरे कपड़ों में अपनी जान की पनाह मांगते बाहर भटक रहे होंगे? अगर ख्याल आया, तो समर्थ होते हुए भी हमने इंसानियत की क्या खिदमत की? राकेश पंचाल जैसे लोग इन सवालों के जवाब हैं, मगर अफसोस! ऐसे जवाब बहुत कम हैं।

आज से करीब 44 साल पहले गुजरात के वसो गांव में पैदा हुए राकेश के पिता मनुभाई पंचाल का निर्माण सामग्रियों का एक छोटा-सा कारोबार था। पिता और काका के संयुक्त परिवार की सारी जरूरतें उसी एक बिजनेस से पूरी होती थीं। लिहाजा कारोबार का तनाव अक्सर घर तक चला आता। राकेश और उनसे दो साल बड़े भाई का बचपन इसी तनावपूर्ण माहौल में तमाम तरह के समझौतों के बीच गुजरा। गांव के सरकारी स्कूल में ही राकेश की पढ़ाई हुई। यह गुजराती माध्यम का स्कूल था। राकेश पढ़ने में काफी अच्छे थे और सेवाभावी पिता व बड़े भाई ने हमेशा उनका हौसला बढ़ाया। किशोरावस्था में राकेश को जो-जो पेशा आकर्षित करता, वह उसे अपनी कॉपी में दर्ज कर लिया करते। वैज्ञानिक से अदाकार और इंजीनियर से पत्रकार बनने तक उनके सपनों ने कई उड़ानें भरीं। मगर आस-पास कोई ऐसा न था, जो उनमें से किसी एक की गहराई से उनको वाकिफकरा पाता। 12वीं में गांव के चार बच्चे ही पास हो सके थे, उनमें से एक राकेश भी थे।

पड़ोस के साइंस कॉलेज में उन्हें आसानी से दाखिला मिल गया, मगर गुजराती माध्यम से इंग्लिश मीडियम का सफर आसान न था। दुर्योग यह कि उन्हीं दिनों दादाजी के देहांत के बाद संयुक्त परिवार की चूलें बेतरह हिल गई थीं और उसका तनाव पहले बड़े भाई की पढ़ाई निगल गया, और फिर राकेश भी उससे प्रभावित होते चले गए। नतीजतन, फर्स्ट ईयर का इम्तिहान वह पास न कर सके। मगर वह लगातार कॉलेज जाते रहे। राकेश को लगता था कि दूसरे साल में वह पिछले पेपर भी क्लियर कर लेंगे। पर ऐसा न हुआ और वह अनुतीर्ण करार दिए गए। सिर्फ माता-पिता अपनी संतान को कभी फेल नहीं मानते। परिवार का कारोबार बंट चुका था। आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। मगर मनुभाई ने बेटे से पूछा, आगे क्या पढ़ना चाहते हो? राकेश ने इंग्लिश मीडियम से ही कोई कोर्स करने की ख्वाहिश जताई। उन दिनों बेंगलुरु के कई संस्थान 12वीं के अंक के आधार पर विभिन्न तरह के डिप्लोमा कोर्स कराते थे। राकेश का अगला पड़ाव बेंगलुरु बना। पिता ने ब्याज पर कर्ज लेकर फीस के पैसे दिए थे, यह बात राकेश कभी न भूल सके। काफी अच्छे ग्रेड के साथ उन्होंने वह पाठ्यक्रम पूरा किया।

डिप्लोमा का सर्टिफिकेट हाथ में था, मगर इसके आधार पर कोई अच्छी नौकरी नहीं मिल पा रही थी। अंतत: जोशी कोहिनूर टेक्निकल इंस्टीट्यूट में 'पार्ट टाइम लेक्चरर' की नौकरी मिली भी, तो चंद महीनों में ही वह भी हाथ से निकल गई। अंग्रेजी भाषा में धारा प्रवाह संवाद न कर पाना, विषय की महारत पर भारी पड़ गया था। राकेश बेहद आहत थे, पिता से पैसे नहीं मांग सकते थे और बेंगलुरु जैसे महंगे शहर में जीना भी दुश्वार होने लगा था। आखिरकार वह वसो लौट आए।

संयोग से उन्हीं दिनों मशहूर निर्माता-निर्देशक देवांग पटेल एक गुजराती धारावाहिक के सिलसिले में वसो शूटिंग के लिए आए थे, राकेश को उसमें काम करने का मौका मिला। ऐक्टिंग के क्षेत्र में दिलचस्पी उन्हें 'परफॉर्मिंग आर्ट्स' की डिग्री के लिए बड़ौदा ले गई। मगर इस दौरान गुजराती धारावाहिकों में इतने काम मिल गए कि उसकी व्यस्तता में वह डिग्री भी अधूरी रह गई। राकेश को काम तो मिल रहे थे, मगर मनपसंद भूमिकाएं न मिलते देख वह निराश होने लगे थे। उन्हीं दिनों ईटीवी गुजराती चैनल में एंकर्स और पत्रकारों के लिए लिखित परीक्षाएं हो रही थीं। पिता ने ही राकेश को यह बताया और उनसे फौरन आवेदन करने को कहा। साल 2007 की बात है, सभी प्रक्रियाओं को पूरा करते हुए राकेश चुन लिए गए। बतौर एंकर हैदराबाद में उनके इस नए सफर का आगाज हुआ। अगले सात वर्षों के पत्रकारीय करियर में राकेश दिल्ली और मुंबई में वॉयस ऑफ इंडिया व मिड डे गुजराजी वेब पोर्टल से भी जुड़े। मगर इस बार पिता की खराब सेहत उन्हें फिर वसो ले आई। पिता स्वस्थ हुए, तो उन्होंने राकेश से अपने कारोबार के विकल्प पर गौर करने को कहा। राकेश भी इस बार राजी हो गए। उन्होंने पिता के साथ दो वर्षों तक कारोबार व जिंदगी की बारीकियां समझीं। नोटबंदी के दौरान पिता ने उनके लिए एक अलग दुकान की व्यवस्था की और इसके साथ ही तरह-तरह के सपनों का यह मुसाफिर स्थायी रूप से कारोबारी बन गया। सेवाभावी पिता ने एक दिन राकेश से दिली इच्छा जताई कि वह गरीब लोगों के लिए राम रोटी सेवा (मुफ्त भोजन) शुरू करना चाहते हैं। तब राकेश ने कुछ बेदिली से कहा कि इसमें तो काफी पैसे लगेंगे, हम यह काम कुछ दिनों बाद ही कर सकेंगे। इस गुफ्तगू के तीसरे दिन पिता अचानक दुनिया से चल बसे। बेटे के दिल में एक कसक रह गई कि पापा की आखिरी इच्छा न पूरी कर सका, तो लानत है इस जिंदगी पर!

पिता की मौत के तीसरे दिन से ही गरीबों को मुफ्त भोजन कराने की राम रोटी सेवा अब 'विसामो टिफिन सेवा' के नाम से वसो तालुके के गांव-गांव में मशहूर है। इस क्षेत्र के करीब 500 बेघर, अशक्त और गरीब बुजुर्गों को राकेश की संस्था रोजाना मुफ्त भोजन मुहैया कराती है। इनके ट्रस्ट में 18 लोग काम करते हैं। यह अब तक ढाई लाख टिफिन भोजन वितरित कर चुके हैं। काश! देश के हर तालुके को एक राकेश मिल जाएं, तो कोई बुजुर्ग भूखे पेट न सोएं, उन्हें कंबल भी नसीब हो जाए और बिस्तर भी।

प्रस्तुति: चंद्रकांत सिंह

गरीब छात्रों के चेहरे रह-रह सताते रहे

लिंडन बी जॉनसन, अमेरिकी राष्ट्रपति

सारे नेता जमीन से उठकर ही आसमान पर पहुंचते हैं, मगर उनमें से ज्यादातर वहीं ऊंचाई पर ठहर जाते हैं। इससे भी बुरा यह होता है कि वे कभी साथ रहे गरीबों को भी भूल जाते हैं। चूंकि जमीनी सच आसमान पर अक्सर झूठ मान लिया जाता है, इसलिए जमीनी सच हमेशा से खुरदरा या कांटेदार ही रहा है। न जाने कितने ऐसे कांटों से भरी जमीन पर वह छोटा स्कूल चलता था। उसे कहीं से भी देखिए, कांटे ही कांटे थे, नस्ल का कांटा, संप्रदाय, गरीबी, रंगभेद के कांटे। उसी स्कूल में ऊंचे कद और छरहरे बदन के एक युवा शिक्षक पढ़ाते थे। उनके पास आगे की पढ़ाई के लिए पैसे नहीं थे, तो शिक्षक बन गए थे। उनका समय भी अभाव में ही बीता था। बंद, तंग कमरों में रहते हुए। लोगों के यहां फर्श साफ करते हुए, तो कभी मोजे बेचते हुए, गुजारे के लिए न जाने क्या-क्या काम किए, पर पढ़ाई का साथ न छूटा। कॉलेज में दूसरा वर्ष शुरू हुआ, तो पैसे का बड़ा संकट खड़ा हो गया। पढ़ाई करें, तो पैसे कहां से लाएं? ऐसे में, एक मैक्सिकन स्कूल में पढ़ाने की नौकरी मिल गई। प्रतिमाह 125 डॉलर मिलने थे, तो तय किया कि एक साल पढ़ा लेंगे, जो पैसे जुटेंगे, उससे अगले साल से फिर पढ़ाई चालू कर देंगे।

उस छोटे से वेल्हाउजेन मैक्सिकन स्कूल में एक से बढ़कर एक मजबूर गरीब लड़के और लड़कियां पढ़ने आते थे। कुछ ही दिनों में उस युवा शिक्षक ने स्कूल की पढ़ाई को बाकी समर्पित शिक्षकों के साथ मिलकर सुधार दिया। छात्र-छात्राओं को पढ़ने में बहुत रस आने लगा, मगर बीच-बीच में उनके चेहरों पर अजीब उदासी चिपक जाती थी। वे सोच में डूबे रहते थे कि पढ़ाई के बाद नई तकलीफदेह जिंदगी शुरू हो जाएगी। रोज एक राहत की तरह मिलने वाला स्कूल बीती बात हो जाएगा। जिस दिन स्कूल से पास होकर विद्यार्थी जाने लगे, उस दिन तो माहौल बेहद गमगीन हो गया। जीवन में सबसे मजबूत सहारा शिक्षा का साथ छूट रहा था और आगे कॉलेज में पढ़ने के दरवाजे बंद थे। तब कॉलेज सभी छात्रों का स्वागत नहीं करते थे और खासकर

गरीब छात्रों के लिए तो कोई गुंजाइश ही नहीं थी।

उस दिन युवा शिक्षक को भी उदासी और सवालों ने घेर लिया था। वह सोचने लगे कि क्या इन छात्रों का भविष्य देश का भविष्य नहीं है? ये आगे पढ़ेंगे नहीं, तो क्या देश को नुकसान नहीं होगा? क्या गरीबी में इतना बल होना चाहिए कि किसी को आगे पढ़ने से रोक दे? जो सरकार गरीबों को पढ़ा नहीं सकती, वह गरीबों से क्या उम्मीद कर सकती है? अगर देश ऐसे बेबस गरीबों के लिए नहीं है, तो फिर किसके लिए है? उसी दिन उस प्रखर युवा शिक्षक ने ठान लिया कि यह राष्ट्र तब तक आराम नहीं कर सकता, जब तक हर अमेरिकी के लिए ज्ञान का द्वार नहीं खुल जाता। सरकार को यह समझना ही होगा कि शिक्षा विलासिता नहीं है, हर किसी की बुनियादी आवश्यकता है। और एक दिन आया, जब यही शिक्षक लिंडन बी जॉनसन अमेरिका के राष्ट्रपति पद पर विराजमान हुए। वह शिक्षक के रूप में उस स्कूल को भूले नहीं, उन छात्र-छात्राओं के उदास चेहरों ने उन्हें बार-बार प्रेरित किया और इसी का नतीजा कि अमेरिका ने 8 जनवरी, 1964 को गरीबी के खिलाफ बड़ी जंग (वार ऑन पोवर्टी) का एलान कर दिया। एक महान समाज के निर्माण के लिए जॉनसन (1908-1973) ने गरीबी उन्मूलन की तमाम रणनीतियों को आसमान से जमीन पर उतार दिया। शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल संबंधी कानूनों में बदलाव किए। सामाजिक सुरक्षा के तंत्र को मजबूत किया। अमेरिका में गरीब छात्रों को उदार छात्रवृत्ति, मुफ्त शिक्षा और बिन ब्याज ऋण की सुविधा मिलने लगी। जॉनसन के समय अमेरिका ने बुनियादी रूप से जो तरक्की की, उसे आज भी याद किया जाता है।

राष्ट्रपति जॉनसन अपने उस स्कूल को याद करते हुए अक्सर भावुक हो जाते थे। उस स्कूल के उदास चेहरों ने उन्हें अमेरिका में एक से बढ़कर एक, कम से कम 30 कानून बनाने के लिए प्रेरित किया, सारे के सारे कानून अमेरिकी संसद से पास हुए और अमेरिका बदल गया। सबके प्रति उनका व्यवहार बहुत स्नेहिल था। छह फुट और साढ़े तीन इंच लंबे यह राजनेता जब किसी से बात करते थे, तब आंखों में आंखें डालकर करीब से परखते थे और दिल जीत लेते थे। वह अक्सर कहते थे, 'तुम सत्य को जानो और सत्य तुम्हें आजाद कर देगा।' विद्वान आज भी राष्ट्रपति जॉनसन की इस समझ को सलाम करते हैं कि व्यक्ति के लिए शिक्षा उपलब्धि और पूर्णता का मार्ग है, राष्ट्र के लिए यह एक ऐसे समाज का मार्ग है, जो न केवल स्वतंत्र है, बल्कि सभ्य भी है; और दुनिया के लिए, यह शांति का मार्ग है, क्योंकि यह शिक्षा ही है, जो तर्क को बल से ऊपर रखती है।

प्रस्तुति : ज्ञानेश उपाध्याय

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

फिक्की के लिये छत्तीसगढ़ चेम्बर की ओर से संजय रावत समन्वयक मनोनीत

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तम गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव, राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि फेडरेशन ऑफइंडियन चेम्बर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की), नई दिल्ली में छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफकामर्स एंड इंडस्ट्रीज की ओर से समन्वयक के रूप में चेम्बर प्रदेश सलाहकार, संजय रावत को मनोनीत किया गया है। संजय रावत फिक्की, नई दिल्ली में चेम्बर का प्रतिनिधित्व करेंगे एवं समय पर आयोजित बैठकों में भाग लेंगे। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज की ओर से फिक्की, नई दिल्ली में समन्वयक के रूप में चेम्बर प्रदेश सलाहकार, संजय रावत को मनोनीत किये जाने पर चेम्बर के समस्त पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनायें दी।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में रंगमहल के कलाकारों ने बढ़ाया जिले का मान

कोरबा। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में कोरबा के कलाकारों को 48 पुरुस्कार प्राप्त हुए। सभी रंगमहल संगीत एकेडमी के प्रशिक्षु हैं। सभी विजेता प्रतिभागियों ने एकेडमी संचालक सुधीन दास के साथ नव पदस्थ कलेक्टर अजीत वसंत से मुलाकात की। कलेक्टर ने प्रशिक्षुओं को बधाई देते हुए उनकी हौसला अफजाई की। कोलकाता में आयोजित भारतीय उत्सव प्रतियोगिता में कोरबा के रंगमहल संगीत एकेडमी के संचालनकर्ता सुधीन दास के विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक विधाओं में भाग लिया। प्रतिभागियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के तबला वादक प. कुमार बोस ने उत्कृष्ट पुरस्कार से नवाजा। प्रथम, द्वितीय, तृतीय आने वाले प्रतिभागियों का पेरिस में होने वाले प्रतियोगिता के लिये चयन किया गया है। एकेडमी के प्रथम स्थान प्राप्त करने वालों में सूरज सिदार, मोनिषा अधिकारी, यशवर्धन दुबे, एरोन मुखर्जी शमिल हैं। द्वितीय स्थान मोनिका घोष, मुनमुन सरकार, भूपेन्द्र यादव, भूपेन्द्र यादव, सूरज सिदार ने हासिल किया।

अंचल में अक्षत के साथ श्रीराम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा का दिया जा रहा निमंत्रण

कोरबा। कोरबा शहर के पुरानी बस्ती क्षेत्र में मां दुर्गा सेवा समिति की टोली ढोल-ताशे के साथ श्रीराम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा का निमंत्रण लेकर घर-घर पहुंच रही है। समिति के कार्यकर्ताओं ने अयोध्या से आए पूजित अक्षत वितरण करने और निमंत्रण देने का काम शुरू किया। आम लोगों को आमंत्रित करने के लिए अक्षत के साथ न्योता लेकर उनके घर पहुंच रहे हैं। टोली के सदस्योंने पूजित अक्षत, श्रीराम मंदिर का चित्र और निमंत्रण पत्रक का वितरण किया। टोली के सभी सदस्य जय श्रीराम के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। समिति के सदस्यों ने पुरानी बस्ती, केंवट मोहल्ला, देवांगन मोहल्ला, कोऑपरेटिव बैंक गली, चैहान मोहल्ला, आदिले चैक, प्रताप चैक, इतवारी बाजार, भंडारी चैक, नीम चैक में संपर्क किया। पुरानी बस्ती रानी गेट में मां दुर्गा मंदिर की देखरेख और विभिन्न कार्यक्रमो के आयोजन और संचालन के लिए मां दुर्गा सेवा समिति का गठन किया गया है। मां दुर्गा सेवा समिति द्वारा 22 जनवरी को श्रीराम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दिन सुबह 10रू30 बजे से सुंदरकांड का पाठ, दोपहर 1रू00 से लेकर 5रू00 बजे तक भंडारा, 7रू00 बजे दीप प्रज्वलन, आतिशबाजी और रात्रि 9रू00 बजे से जागरण का कार्यक्रम रखा गया है।

विधायक रिकेश ने खुद थामा उस्तरा, ग्राहक की बनाने लगे दाड़ी, समाज को दिया संदेश

रायपुर के सेलून में पहुंचे वैशालीनगर विधायक रिकेश सेन, कहा- सेन समाज के युवा पुस्तैनी काम से न करे परहेज

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने राजधानी रायपुर के एक सेलून में पहुंचे और ग्राहक की खुद ही दाड़ी बनाने लगे। रिकेश सेन ने ग्राहक की दाड़ी बनाते हुए एक वीडियो भी शेयर किया और बताया भी कि उन्होंने ऐसा क्यों किया। विधायक रिकेश ने कहा कि हमें अपना पुराना काम नहीं भूलना चाहिए। लोग लोक-लाज में आकर अपनी जाति, धर्म छिपाने में लगे हुए हैं। कई ऐसे लोगों को मैं जानता हूं जो श्रीवास होने के बावजूद श्रीवास्तव लिखने लगे हैं क्योंकि हमारा सेन समाज माइक्रो ओबीसी है।

छत्तीसगढ़ सेन सेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष और वैशाली नगर विधायक ने राजधानी रायपुर के एक सैलून में पहुंच खुद ग्राहकों की सेविंग कर समाज के लोगों को यह संदेश दिया है कि कोई भी काम बड़ा या छोटा नहीं होता है। समाज में कुछ लोग धीरे धीरे अपनी जाति बताने में शर्मींदगी भी महसूस करते हुए चुपके से अपना सरनेम तक बदल लेते हैं। श्री सेन ने कहा कि ईश्वरीय शक्ति ने मानव मूल के जिस परिवार, जाति या धर्म में हमें जन्म दिया है उसे कभी भी बदलना नहीं चाहिए। उन्होंने आर्थिक तंगी या लालच में धर्म बदलने वालों को भी एक सबक देने का ऐसा प्रयास किया है।

विधायक रिकेश सेन ने बताया कि वो रायपुर की एक दुकान आए हुए हैं और दुकान में खुद ग्राहक की सेविंग कर बताना चाहते हैं कि हमारे नाई समाज के लोग जब अच्छे पदों पर चले जाते हैं तो अपनी जाति को अपने समाज को छिपाने लगते हैं जो बड़ी ही चिंताजनक बात है। जैसे हमारे छत्तीसगढ़ में जो श्रीवास हैं वह जब बड़े पदों पर पहुंचे तो अपना सरनेम श्रीवास्तव लिखने लगे क्योंकि उनको लगता है कि मैं अपनी वास्तविक जाति बताऊंगा तो लोग हँसेंगे मुझ पर, मजाक उड़ाएंगे। अब मैं विधायक बन गया हूँ, विधायक कर्पूरी ठाकुर हमारे नाई समाज के प्रथम मुख्यमंत्री थे और लगभग साठ वर्ष बाद नाई समाज से मैं दूसरा विधायक बना हूं। जननायक कर्पूरी ठाकुर मुख्यमंत्री थे उनसे सीखना चाहिए, उन्होंने कभी अपनी जाति को नहीं छिपाया। मैं यहां पर आया हूँ सैलून दुकान में, मुझे गर्व है कि मैं नाई जाति में पैदा हुआ हूं, मैं सेन समाज से हूं।

कोई भी न छिपाए अपनी जाति

विधायक रिकेश ने कहा कि लोगों से निवेदन है कि कोई भी अपनी जाति को न छिपाए और समाज को आगे बढ़ाने में योगदान दें। केन्द्र शासन की अनेक योजनाएं हमारे समाज को लेकर हैं तो विनती है कि जब मैं पच्चीस साल बाद अगर हाथ में उस्तरा पकड़ ऐसा विडियो वायरल कर रहा हूं, इसमें लोगों के नकारात्मक कमेंट्स भी आएंगे, जाति को लेकर लोगों में मेरा माखौल भी उड़ेगा लेकिन मकसद सिर्फयही है कि जिस जाति या धर्म में हमने जन्म लिया उसे बताने में कभी शर्मींदगी न महसूस की जाए। वर्ण व्यवस्था के तहत जो हमारा कर्म है उसे ही पूजा समझकर आगे बढ़ना ही जीवन है। विधानसभा में जब मैं शपथ लेने गया तो पहले संत शिरोमणिजी महाराज की जयकारे लगाया, उसके बाद ही मैंने शपथ ली। मैं जब अपनी जाति को नहीं छिपा रहा हूं। विधायक बनने के बाद तो समाज के दूसरे लोग अपनी जाति को क्यों छिपाते हैं? विधायक रिकेश सेन ने बताया कि 16 जनवरी को रायपुर के दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में, एक बहुत बड़ा सम्मेलन करने जा रहे हैं। जिसमें रोजगार मेला के तहत दस से पंद्रह हजार रुपये तक का मासिक व्यवसाय जो चाहते हैं उनकी मदद की जाएगी। उनके लिए प्राइवेट नौकरी का भी इंतजाम करेंगे। जो महिला घर पर ब्यूटी पार्लर चलाती हैं, उनका रजिस्ट्रेशन विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत किया जायेगा तथा अन्य शासित योजनाओं के अंतर्गत उनको लाभ मिल सके ऐसा बड़ा प्रयास वो करने जा रहे हैं।

सेन समाज का पुस्तैनी काम है बाल व दाड़ी बनाना

विधायक रिकेश सेन ने कहा कि सेन समाज के तीन लोगों ने रायपुर में आत्महत्या कर ली, जो सबके सामने है जिसमें पति पत्नी और 14 वर्ष की उनकी बेटी पायल ने भी फांसी लगा लिया। सेन समाज का पुस्तैनी काम है लोगों के केश बनाना। सेन समाज का अपना व्यवसाय है और इस व्यवसाय में लाभ भी काफी होता है। देखा जा रहा है कि सेन समाज का होने के बाद भी सेलून का काम करने से परहेज करते हैं जो कि ठीक नहीं है। आज सेन समान के अलावा अन्य लोग भी इस व्यवसाय में आए गए है और नए तरीके से बिजनेस कर रहे हैं। इसलिए सेन समाज के किसी भी व्यक्ति को अपना पुस्तैनी काम करने से परहेज नहीं करना चाहिए।

सिम्स में होंगी एम्स जैसी सुविधाएं, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने शनिवार को बिलासपुर में छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (सिम्स) का निरीक्षण कर अधिकारियों को व्यवस्था में सुधार के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा है कि सिम्स में भी भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) जैसी सुविधाएं विकसित की जाएं, इसके लिए तैयारियां शुरू कर देनी चाहिए। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को बेहतर बनाते हुए चिकित्सा और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को अलग-अलग करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के बाद जायसवाल ने अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने कहा कि सिम्स की व्यवस्था में और सुधार के लिए मरीजों के इलाज (क्लिनिकल) एवं प्रशासनिक व्यवस्था दोनों को अलग-अलग किया जायेगा। अस्पताल प्रशासन के लिए एमबीए उत्तीर्ण प्रशासक और एक जनसम्पर्क अधिकारी नियुक्त किये जाएंगे। स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री का प्रभार लेने के बाद पहली बार बिलासपुर पहुंचकर सिम्स में अधिकारियों की बैठक लेकर इस आशय के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोनी में सिम्स के नये भवन के लिए लगभग 40 एकड़ भूमि आरक्षित रखी गई है। शहर के बीचों-बीच स्थित सिम्स को कोनी में स्थानांतरित करने के लिए चरणबद्ध रूप से तैयारी शुरू करने को कहा है।

स्वास्थ्य मंत्री ने बैठक के पूर्व सिम्स अस्पताल के विभिन्न वार्डों का निरीक्षण भी किया। इलाज कराने पहुंचे मरीजों से मुलाकात कर व्यवस्था की जानकारी ली। बैठक एवं निरीक्षण के दौरानं बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल, बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक, तखतपुर विधायक धर्मजीत सिंह, बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला, अतिरिक्त मुख्य सचिव (स्वास्थ्य) रेणु जी पिल्लई, सिम्स के ओएसडी आर प्रसन्ना विशेष रूप से उपस्थित थे। स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने पिछले दो-तीन महीने में अस्पताल की व्यवस्था में आये उल्लेखनीय सुधार के लिए सिम्स अस्पताल प्रबंधन एवं चिकित्सकों की सराहना की।

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने सिम्स मेडिकल कॉलेज के सभाकक्ष में लगभग घण्टे भर तक बैठक लेकर मरीजों के हित में कई निर्देश दिए। बैठक में सिम्स स्वास्थ्य प्रबंधन, जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग मंत्रालय से आये वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। उन्होंने कोनी में निर्माणाधीन मल्टी स्पेश्यालिटी अस्पताल के बचे काम को जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। मार्च महीने के प्रथम सप्ताह में इसका लोकार्पण किया जायेगा। कैंसर अस्पताल के काम में भी गति लाकर समयसीमा में पूर्ण करने को कहा है। मंत्री जायसवाल ने कहा कि सिम्स अस्पताल बिलासपुर संभाग का सबसे बड़ा अस्पताल हैं। रायपुर एम्स जैसी स्वास्थ्य सुविधाएं यहां विकसित की जायेंगी। अस्पताल में जो भी कमियां हैं, उन्हें दूर की जायेगी। पिछले दो तीन महीने में हुए सुधार पर स्वास्थ्य मंत्री ने संतोष प्रकट किया। डीन डॉ. के.के. सहारे एवं अधीक्षक डॉ. नायक ने सिम्स में वर्तमान में उपलब्ध सुविधाएं, व्यवस्था एवं पिछले दो-तीन महीनों में आये सुधार का तुलनात्मक प्रस्तुतिकरण दिया। मंत्री ने सिम्स अस्पताल के तमाम टॉयलेट को अगले तीन महीने में सुधार करने को कहा है। उन्होंने एक महीने के भीतर मरीजों के लिए वाटर प्यूरीफायर की व्यवस्था के निर्देश दिए। अस्पताल परिसर का वातावरण एवं प्रबंधन का बर्ताव इतना सद्भावना पूर्ण हो कि आते ही आधी बीमारी ऐसे ही दूर हो जाए। सिम्स की व्यवस्था में सुधार के लिए विधायक अमर अग्रवाल, धरमलाल कौशिक एवं सुशांत शुक्ला ने भी अहम सुझाव दिए। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल लगभग आधे घण्टे तक अस्पताल के विभिन्न वार्ड में गए। इलाज कराने आये मरीजों एवं उनके परिजनों से मुलाकात की। बीमारी की जानकारी लेकर त्वरित इलाज करने के निर्देश चिकित्सकों को दिए। श्री जायसवाल ने प्रमुख रूप से केजुअल्टी वार्ड, पंजीयन कक्ष, दवाई वितरण, ब्लड कलेक्शन सेन्टर, एक्सरे एवं सिटी स्कैन आदि वार्डों का निरीक्षण किया। मरीजों के पंजीयन में सुविधा के लिए जल्द टोकन सिस्टम व्यवस्था लागू करने के लिए कहा है। कलेक्टर अवनीश शरण, संचालक चिकित्सा शिक्षा डॉ. विष्णुदत्त, सीजीएमएससी की प्रबंध संचालक पद्मिनी भोई, डीन डॉ. केके सहारे, अधीक्षक डॉ. एसके नायक, उप अधीक्षक डॉ. विवेक शर्मा सहित सिम्स के वरिष्ठ डॉक्टर एवं अधिकारी उपस्थित थे।

खपरीकला में शुरू हुई राज्यस्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता विधायक ललित चंद्राकर ने किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। आदर्श इस्पात ग्राम खपरीकला में वन्देमातरम क्रीड़ा मण्डल व ग्रामवासियों द्वारा दो दिवसीय राज्य स्तरीय ओपन महिला एवं पुरुष कब्बडी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। शनिवार को प्रतियोगिता का शुभारंभ दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने फीता काटकर किया।

प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच जय शीतला दुर्ग और साईं मण्डल भिलाई की महिला दलों के बीच खेला गया। विधायक ललित चंद्राकर ने शुभारंभ के अवसर पर सभी खिलाड़ियों से परिचय लिया और बेहतर खेल के लिए शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम के दौरान विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि खेल हमारे जीवन का अहम हिस्सा है। कबड्डी हमारे पारंपरिक खेलों में से एक है और इस खेल के लिए बेहद चुश्ती व फूर्ति की जरूरत होती है। हमारा सौभाग्य है कि छत्तीसगढ़ व दुर्ग जिले में कबड्डी के अच्छे खिलाड़ी हैं। यही नहीं ग्रामीण स्तर पर इतनी बड़ी प्रतियोगिता का आयोजन सराहनीय है। आयोजन समिति व ग्रामवासी इसके लिए बधाई पात्र हैं।

शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान पूर्व मंत्री रामशीला साहू, जिला सहकारी मर्यादित बैंक के पूर्व अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन, मंडल अध्यक्ष गिरेश साहू, महामंत्री शिव निषाद, पूर्व मंडल अध्यक्ष दिनेश देशमुख, संयोजक नारायण साहू, सरपंच राज कुमार साहू,उपसरपंच रमेश साहू, दयालु राम, चैतू राम साहू, डिलेश्वर साहू, विनोद साहू, टोमन, राजु साहू, पिंटू साहू, रामा साहू, महेन्द्र निषाद, भगवती पारकर, रामसिंग साहू, रेफरी संतोष मानिकपुरी, होलकर पारकर, झम्मन दिल्लीवार, गिरधर शर्मा, गणेश ठाकुर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार
होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

लोगों की समस्याओं का करें त्वरित निराकरणः कलेक्टर

रायपुर। राजस्व विभाग प्रकरणों का जल्द निपटारा करें। आम जनता से जुड़े राजस्व कार्यो का त्वरित निराकरण करने पहल करें उन्हें राहत दें। जाति-आय तथा निवास प्रमाण पत्र इत्यादि निश्चित समयावधि पर बनाकर दें। यह बात कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कही। वे आज रेडक्रॉस सभाकक्ष में जिले के राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक ले रहे थे। कलेक्टर डॉ सिंह ने सभी अनुविभागीय अधिकारी तथा तहसीलदार से चर्चा कर उनसे राजस्व प्रकरणों सहित अन्य विषयों की जानकारी ली। उन्होने कहा कि वाले अविवादित नामांतरण, बंटवारा तथा सीमांकन के प्रकरणों को जल्द से जल्द एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण करें। सभी एसडीएम अपने अधीनस्थ एवं मैदानी राजस्व अमलों से समय पर प्रतिवेदन प्राप्त करें। निरंतर दौरा करें और नामांतरण के पंचायत में लंबित प्रकरणों का भी समाधान करें। डॉ सिंह ने कहा कि आरबीसी 6-4 के तहत आर्थिक सहायता दिलाना सीधा आम जनता से जुड़ा विषय है। इस पर संवेदनशीलता से कार्य करें और हितग्राहियों को नियमानुसार जल्द मुआवजा प्रदान करें। उन्होंने कहा कि पटवारियों को अपने कार्यालय में बैठने का दिन सुनिश्चित करें संबंधित पंचायत की दीवार में लिखाये।

स्वस्थ्य शरीर से स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण इसलिए खेल जरूरीः मंत्री बृजमोहन अग्रवाल

■ **भव्य रूप में मनाया जायेगा माता खल्लारी मेला**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शिक्षा, पर्यटन, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री बृजमोहन अग्रवाल शुक्रवार को बागबाहरा में आयोजित अखिल भारतीय कबड्डी प्रतियोगिता में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए।

इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि खेल और खिलाड़ियों का समाज से गहरा नाता होता है। खेल शारीरिक मजबूती के साथ मानसिक तौर पर भी मजबूती प्रदान करते हैं। खेलों का राष्ट्र निर्माण में बहुत बड़ा योगदान होता है। खेलों के जरिए खिलाड़ी जीवन में संघर्ष, आत्मविश्वास, समर्पण सीखता है। पहले के समय कहा जाता था की पढ़ोगे लिखोगे तो बनोगे नवाब, खेलोगे कूदोगे तो बनोगे खराब। लेकिन अब यह भ्रांति टूट चुकी है। आज खिलाड़ी अपने हुनर से देश का नाम रौशन कर रहे है। खेलों के जरिए समाज मे सम्मान के साथ ही रोजगार पा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने खेलों में एक अलग ही स्थान हासिल किया है। ओलंपिक से लेकर कॉमनवेल्थ गेमों तक में भारत ने अपना झंडा गाड़ा है। छत्तीसगढ़ में भी हमारी सरकार ने हमेशा खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने का काम किया है उसके लिए उचित प्रशिक्षण और इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर काफी काम किया गया। छत्तीसगढ़ को खेलों में राष्ट्रीयदृअंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की हर संभव कोशिश होगी। उसके लिए जरूरी प्रशिक्षण और इंफ्रास्ट्रक्चर की व्यवस्था की जाएगी।

खल्लारी माता मेला आयोजन के लिए प्रतिवर्ष 10 लाख देने की घोषणा

इस मौके पर संस्कृति मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने माता खल्लारी मेला को भव्य रूप प्रदान करने के लिए प्रतिवर्ष 10 लाख रुपए राशि देने की घोषणा की। प्रतियोगिता का आयोजन मेघ खेल एवं नवयुवक मंडल ने किया था। जिसमे देश भर से महिला और पुरुष कबड्डी खिलाड़ी हिस्सा ले रहे है। कार्यक्रम में सांसद चुन्नी लाल साहू विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा, पूर्व विधायक अल्का चंद्राकर, नरेश चंद्राकर, मेघ खेल एवं युवा संगठन आयोजन समिति के संयोजक डेमन राज पनुरिया, अध्यक्ष भोजनाथ कल्लू देवांगन, सचिव देवेश साहू समेत बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का पात्र किसानों को लाभ दिलाने विशेष अभियान संचालित

रायपुर। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ शत-प्रतिशत पात्र किसानों को दिलाने के लिए राज्य में विशेष ग्राम स्तरीय अभियान संचालित है। बीते 6 दिसंबर से शुरू हुआ यह विशेष अभियान 15 जनवरी तक चलेगा। इसके तहत योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार किए जाने के साथ ही पात्र किसानों की पहचान विशेष ग्राम सभा के माध्यम से की जा रही है और पीएम किसान मोबाइल एप्प के मदद से किसानों का सत्यापन, ई-केवाईसी, लैण्ड रिकार्ड सीडिंग, बैंक डिटेल का सत्यापन कर पोर्टल में एन्ट्री की कार्यवाही ग्राम स्तरीय नोडल अधिकारियों द्वारा की जा रही है।

राज्य में अब तक 82.44 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी, किसानों को 17773 करोड़ रुपए का भुगतान

अब तक 48.23 लाख मीट्रिक टन धान का उठाव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 के तहत एक नवंबर 2023 से धान खरीदी का महाअभियान निरंतर जारी है। राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष मोदी जी की गारंटी के अनुरूप किसानों से 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान की खरीदी की जा रही है। राज्य सरकार द्वारा अब तक किसानों से 82.44 लाख मीट्रिक टन धान की समर्थन मूल्य पर खरीदी की जा चुकी है। धान के एवज में किसानों को 17,773 करोड़ रुपए से अधिक राशि का भुगतान किया गया है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान विक्रय का लाभ पूर्व में धान बेच चुके किसानों को भी मिलेगा। इसका आशय यह है कि एक नवम्बर से अब तक पूर्व निर्धारित मात्रा के अनुरूप धान बेच चुके किसान, शेष मात्रा का धान, उपार्जन केन्द्र में 31 जनवरी तक बेच सकेंगे।

खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 में राज्य के किसानों से प्रति एकड़ 15 क्विंटल कॉमन धान की 2040 रुपए प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य

की दर से किए जाने के साथ ही उन्हें प्रति एकड़ 9000 रुपए की इनपुट सब्सिडी दी गई, जिसे मिलाकर अधिकतम 39,600 रुपए का भुगतान होता था। इस साल 21 क्विंटल धान की खरीदी 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से होने से किसानों को प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान बेचने पर 65,100 रुपए मिलेगा। इस प्रकार देखा जाए तो इस साल धान विक्रय पर किसानों को गत वर्ष की तुलना में 25,500 रुपए का अतिरिक्त लाभ होगा।

मार्कफेड के महाप्रबंधक दिलीप जायसवाल ने बताया कि राज्य में समर्थन मूल्य पर अब तक 16 लाख 67 हजार 790 किसानों से 82 लाख 44 हजार 476 मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है। इसके एवज में किसानों को 17 हजार 773 करोड़ रुपए से अधिक राशि का भुगतान बैंक लिंकिंग व्यवस्था के तहत किया गया है। धान खरीदी के साथ-साथ कस्टम मिलिंग के लिए निरंतर धान का उठाव जारी है। अब तक 68 लाख 55 हजार 366 मीट्रिक टन धान के उठाव के लिए डीओ जारी किया गया है। जिसके विरूद्ध में मिलर्स द्वारा 48 लाख 23 हजार 145 मीट्रिक टन धान का उठाव किया जा चुका है। इस साल राज्य में 130 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी अनुमानित है।

सचिव स्कूल शिक्षा सिद्धार्थ कोमल परदेशी ने राजधानी के स्कूलों का किया आकस्मिक निरीक्षण

■ **शिक्षक बनकर विद्यार्थियों को पढ़ाया और मध्यान्ह भोजन का स्वाद भी चखा**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्कूल शिक्षा विभाग के नए सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी ने राजधानी रायपुर के स्कूलों का आकस्मिक निरीक्षण किया। परदेशी नालंदा परिसर भी गए, जिला ग्रंथालय को भी देखा। शिक्षक बनकर उन्होंने विद्यार्थियों की कक्षा भी ली। साथ ही वहीं उन्होंने छात्र बनकर शिक्षकों के पढ़ाने एवं कक्षा संचालन का अवलोकन भी किया। मध्यान्ह भोजन का स्वाद भी चखा, वहीं रसोइयों के समस्याओं का निदान भी किया। उन्होंने स्कूल शिक्षा विभाग की सभी योजनाओं का बारीकी से अवलोकन किया और कुछ समस्याओं का त्वरित निराकरण किया। अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

स्कूल शिक्षा सचिव ने शहीद स्मारक स्कूल का अवलोकन किया। उन्होंने स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल के प्रिंसिपल आदित्य चांडक से स्कूल संचालन के संबंध में जानकारी ली। परदेसी ने प्राइमरी, मिडिल व हाई स्कूल

के बच्चों से पूछा कि आपको स्कूल में आने पर कैसा लगता है, आप क्या सीख रहे हैं और आप बड़े होकर क्या बनना चाहते हो। उन्होंने शिक्षक-शिक्षिकाओं और प्राचार्य से भी समस्याएं पूछी।

श्री परदेशी ने स्कूल का अवलोकन करते हुए एक कक्षा में जाकर बच्चों को पढ़ाया, वहीं छात्र बन कर शिक्षकों की कक्षा संचालन का अवलोकन भी किया। उन्होंने प्रयोगशाला, लाइब्रेरी, खेल परिसर, स्कूल परिसर, ऑडिटोरियम इत्यादि का भी अवलोकन किया। स्कूल शिक्षा सचिव ने स्कूल में साफ-सफाई एवं पेयजल पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यार्थियों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए पानी टंकी की नियमित सफाई के निर्देश भी दिए। वॉटर फिल्टर की सर्विसिंग की डेट हेतु प्रत्येक वाटर फिल्टर के पास एक चार्ट लगाने कहा। श्री परदेशी ने मध्यान्ह भोजन में विद्यार्थियों को दिए जा रहे मीनू के बारे में भी जानकारी ली। मध्यान्ह भोजन में बने सभी व्यंजनों का स्वाद भी चखा। पुस्तकालय का अवलोकन करते समय उन्होंने कहा कि यह ध्यान रखा जाए की पुस्तक बच्चों की रुचि के अनुरूप हो।

स्कूल शिक्षा सचिव ने मायाराम सुरजन उत्कृष्ट कन्या विद्यालय चौबे कॉलोनी के विशाल प्रांगण के खेल परिसर में खिलाड़ियों से बातचीत की। खेल प्रभारी द्वारा बताई गई समस्या पर उन्होंने पीडब्ल्यूडी के विभाग के अधिकारी को निर्देश देने की बात कही। विद्यालय परिसर में ही गार्डन के जीर्णोद्धार के लिए संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया।

श्री परदेसी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति में अब तक हुए कार्यों की प्रगति की जानकारी अधिकारियों से प्राप्त की। जे एन पांडे स्कूल के साइंस लैब में बच्चों द्वारा बनाए गए मॉडल का अवलोकन किया और इस संबंध में बच्चों से जानकारी ली। स्कूल के प्राचार्य एमआर सावंत ने बताया कि यहां के बच्चे लगातार मेरिट में आ रहे हैं। उन्होंने इसके पूर्व नालंदा परिसर और जिला ग्रंथालय का अवलोकन भी किया।

इस मौके पर उनके साथ रायपुर संभाग के संयुक्त संचालक डॉ. योगेश शिवहरे, जिला शिक्षा अधिकारी हिमांशु भारतीय, राज्य साक्षरता मिशन के सहायक संचालक प्रशांत पांडेय, समग्र शिक्षा के जिला अधिकारी केएस पटले और संबंधित विद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित थे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के शिविरों में योजनाओं का लाभ लेने पहुंचे बड़ी संख्या में हितग्राही

उज्ज्वला योजना, आयुष्मान योजना, स्वनिधि योजना और प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के लिए सबसे ज्यादा पंजीयन

मंत्रियों, विधायकों और केंद्र के अधिकारियों ने किया विभिन्न जिलों में चल रही विकसित भारत संकल्प यात्रा का निरीक्षण, चल रही गतिविधियों की प्रशंसा की

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में आरंभ की गई जनकल्याणकारी योजनाओं का जनता को लाभ दिलाने आरंभ की गई विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर में लोगों का हुजूम उमड़ रहा है। शिविर के माध्यम से उन लोगों को सीधे योजनाओं का लाभ देने के लिए जोड़ा जा रहा है जो अब तक इनका लाभ नहीं ले पाये हैं। सभी शिविरों में बड़ी संख्या में हितग्राही पहुंच रहे हैं। इन शिविरों की अच्छी बात यह है कि इनमें से सभी शिविरों में मोदी सरकार की योजनाओं का लाभ लेने वाले हितग्राही मेरी कहानी, मेरी जुबानी के माध्यम से बता रहे हैं। लोगों को इनका उचित लाभ मिले, इसके लिए राज्य से मंत्रीगण, विधायकगण और केंद्र के अधिकारीगण भी दौरा कर रहे हैं।

शिविरों में सबसे ज्यादा उज्ज्वला योजना और आयुष्मान के बारे में लोग पंजीयन करा रहे हैं। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना और प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का लाभ लेने भी हितग्राही सामने आ रहे हैं। शिविरों में लोग बता रहे हैं कि पूंजी की सुलभता और कौशल प्रशिक्षण से उनके लिए उद्यम करना आसान हो गया है। सबसे अच्छी बात यह है कि हमें इसके लिए सरकारी कार्यालयों में जाना नहीं पड़ रहा।

बीसी सखी से आर्थिक स्थिति मजबूत

कोरिया जिले में बैंकिंग कॉरेस्पांडेंट (बीसी)

सखी से जुड़ी कांति प्रजापति का उदाहरण लें। श्रीमती कांति ने बताया कि उन्हें अब 15 से 20 हजार रूपए तक पारिश्रमिक मिलने से घर की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई है। बता दें बीसी सखी का मुख्य कार्य ग्रामीणों तक बैंकिंग सेवाओं को पहुंचाना है, इससे हर तरह के आर्थिक लेनदेन, बैंक खातों में जमा व निकासी, नए खाते खोलने की सुविधा पहुंचाना है। सहायता समूह की महिलाओं को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें बहुत आगे बढ़ने तथा ज्यादा से ज्यादा बचत के महत्व तथा बैंक खोलवाने के बारे जानकारी देने कहा गया। धुआं से छुटकारा और आंखों से आंसू दूर- मेरी कहानी, मेरी जुबानी के तहत जानकारी देते हुए बिलासपुर में श्रीमती रजनी ने बताया कि प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के तहत गैस सिलेण्डर मिलने पर उन्हें धुआं से छुटकारा मिलेगी और आंखे सुरक्षित रहेंगी। श्रीमती रजनी ने बताया कि आंखों में इतना धुआँ आता था कि आंखें जलने लगती थीं।

कच्चा मकान से मिला छुटकारा, आयुष्मान कार्ड बनी संजीवनी- ग्राम आनी की रमनिया सिंह ने प्रधानमंत्री आवास (ग्रामीण) प्राप्त होने पर प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताया, उन्होंने बताया कि कच्चा मकान से छुटकारा मिला अब पक्का मकान मिलने से पानी टपकने की तकलीफ भी दूर हुआ। हमारे पड़ोस में भी बहुत से कच्चे मकान अब पक्के हो गये हैं। पूरे गांव की सूरत बदल गई है पहले कच्चे मकान ही दिखते थे अब गिनती के कच्चे मकान दिखते हैं।

आयुष्मान वरदान साबित हुआ

आयुष्मान कार्ड के माध्यम से पथरी बीमारी के इलाज होने पर मोदी सरकार को धन्यवाद देते हुए बेला बाई ने बताया कि गरीब परिवार के लिए यह आयुष्मान कार्ड संजीवनी की तरह है। घर में इलाज के लिए पैसे नहीं था, ऐसे में आयुष्मान कार्ड से पूरा इलाज हुआ। उन्होंने बताया कि आयुष्मान होने की वजह से किसानों के खेत बच रहे हैं नहीं तो इलाज में सारा पैसा खर्च हो जाता था।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

कॉफी विद करण: जान्हवी कपूर की स्पीड डायल पर रूमर्ड बॉयफ्रेंड का नंबर, करण जौहर के सामने किया खुलासा

बॉलीवुड सिस्टर्स जान्हवी और खुशी कपूर स्ट्रीमिंग चैट शो कॉफी विद करण के अपकमिंग एपिसोड में नजर आएंगी। दोनों अपने करियर, फैमिली और लव लाइफ को लेकर चर्चाओं में हैं। शो के निर्माताओं ने सोमवार को अपकमिंग एपिसोड का प्रोमो शेयर किया और इसमें बहनों के बीच मजेदार बातचीत का वादा किया गया है। रैट रेस सेगमेंट में करण जौहर ने जाह्नवी से पूछा, आपके स्पीड डॉयल में किन-किन लोगों का नंबर है।

इस पर उन्होंने पापा (बोनी कपूर), खुशु (बहन खुशी कपूर) और शिखू (रूमर्ड बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया) का नाम लिया। आपको बता दें कि जाह्नवी कथित तौर पर शिखर पहाड़िया को डेट कर रही हैं और प्यार से उन्हें शिखू बुलाती हैं। इसके बाद करण ने खुशी से पूछा, ऐसा कहा जा रहा है कि आप वेदांग रैना को डेट कर रही हैं?

इस पर जवाब देते हुए एक्ट्रेस ने कहा, आपको फिल्म ओम शांति ओम का वो सीन याद है, जहां अवार्ड्स के लिए आए स्टार्स से सवाल-जवाब किए जाते हैं। जब उनसे ओम के बारे में पूछा जाता है तो वे कहते हैं- ओम और मैं सिर्फ अछे दोस्त हैं। रैपिड फायर राउंड में, करण पूछते हैं, अगर खुशी को अनन्या पांडे के साथ काम करना हो तो वे अपनी बहन को क्या सलाह देंगी?

जान्हवी कहती हैं, बस ये सुनिश्चित करें कि आप उसी सेम लड़के को पसंद ना करें।

गौरतलब है कि जान्हवी और अनन्या दोनों ईशान खट्टर को डेट कर चुकी हैं। साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म धड़क से जान्हवी ने ईशान खट्टर को डेट किया था। वहीं, 2020 की फिल्म खाली पीली के दौरान अनन्या पांडे और ईशान खट्टर डेट कर रहे थे।

रकुल प्रीत सिंह, जैकी भगनानी अगले महीने गोवा में करेंगे शादी

अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह और अभिनेता-निर्माता जैकी भगनानी फरवरी में शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। यह जोड़ा गोवा में शादी करेगा। इस जोड़े ने अक्टूबर 2021 में इंस्टाग्राम पर इसे आधिकारिक बना दिया था। इस साल की शुरुआत में जैकी भगनानी ने अभिनेत्री को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए एक रील साझा की, जिसमें उन्होंने और रकुल ने अब तक एक साथ बिताए पलों को दिखाया है। रील में उनके वेकेशन डायरीज, डिनर डेट्स, रेड कार्पेट वॉक के साथ-साथ स्टेज परफॉर्मेंस की झलकियां थी। इस पोस्ट के साथ जैकी ने अपनी प्रेमिका के लिए एक नोट भी लिखा था। उन्होंने लिखा, विशेष दिन पर मैं उस व्यक्ति के प्रति अपनी प्रशंसा व्यक्त करना चाहता हूं, जो मुझे हमेशा आश्चर्यचकित कर देती है। आपके साथ हर दिन एक अविश्वसनीय यात्रा जैसा लगता है और कभी भी कोई सुस्त पल नहीं आता। आप मेरे साथी से कहीं अधिक हैं, आप मेरे विश्वासपात्र हैं, आप मेरे जीवन को प्यार और हंसी से भर देते हैं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार रकुल और जैकी दोनों फिलहाल छुट्टियों का आनंद ले रहे हैं। अपनी शादी की योजना के संबंध में जोड़े की ओर से आधिकारिक घोषणा का इंतजार है।

किताबें उठाते ही आती है नींद तो ट्राई करें ये टिप्स, कभी नहीं महसूस होगी सुस्ती

पढ़ने के दौरान कई बार किताबें उठाते ही क्या आपके बच्चे को भी नींद आने लगती है। बच्चों ही नहीं बड़ों के साथ भी ये समस्या देखने को मिलती है। चाहकर भी वे पढ़ नहीं पाते हैं। अगर आपके या आपके जानने वाले किसी के साथ भी ऐसा ही हो रहा है तो जानें इसका कारण और कैसे इस परेशानी से बच सकते हैं।

किताबें उठाते ही क्यों आती है नींद

दरअसल, जब हम पढ़ाई करते हैं तो आंखों से जुड़े मसल्स पर प्रेशर पडने लगता है। हमारा ब्रेन पढ़ी हुई चीजों को याद कर उसे कलेक्ट करता रहता है। जब आंखों के मसल्स थक जाते हैं या स्लो काम करने लगते हैं तो नींद आने लगती है। कई बार पढ़ने के दौरान हमारे बैठे का तरीका भी गलत होने पर नींद आ सकती है। यह बिल्कुल वैसा ही होता है, जैसे सफर के दौरान बस या ट्रेन में बैठे-बैठे ही हम सो जाते हैं। इसलिए पढ़ाई के दौरान बॉडी पोस्चर को इस तरह रखना चाहिए, जिससे उसे न ज्यादा आराम महसूस हो और ना ही ज्यादा सुस्ती लगे।

पढ़ाई करते हुए आए नींद तो जानें क्या करें

अंधेरे में पढ़ाई न करें:- जब भी आप पढ़ाई करने बैठे तो ऐसी जगह चुनें जहां पर्याप्त रोशनी हो। इससे आंखों पर कम प्रभाव पड़ेगा और कम रोशनी वाली जगह बैठने से भी बच जाएंगे। अंधेरे में पढ़ाई करने पर नींद आने लगती है।

ओपन स्पेस में ही पढ़ें:- खुली जगहों जैसे छत या बालकनी में हवा और रोशनी काफी अच्छी आती है। इसलिए ऐसी जगहों पर पढ़ाई करना चाहिए। इससे सुस्ती कम महसूस होगी और नींद भी नहीं आएगी। इसका फायदा आंखों को भी होगा।

कभी भी बिस्तर पर न पढ़ें:- कुछ लोग बिस्तर पर बैठकर पढ़ाई करते हैं। ऐसा करने से आलस और सुस्ती महसूस होती है। जिससे पढ़ने में बिल्कुल भी मन नहीं लगेगा। इसलिए जब भी पढ़ाई करें तो टेबल और कुर्सी पर करें। इससे नींद से बच जाएंगे।

पढ़ाई से पहले हल्का भोजन ही करें:- ज्यादा खाने के बाद सुस्ती और नींद आना स्वाभाविक है। ऐसे में जब भी खाना खाएं तो तुरंत बाद पढ़ने न बैठें। पढ़ने से पहले हल्का और पचने वाले भोजन करें। इससे नींद नहीं आएगी और आलस भी नहीं लगेगा।

केरल में एन्जॉय कर रहे रणदीप हुडा और लिन लैशराम, कपल ने शेयर की रोमांटिक तस्वीरें

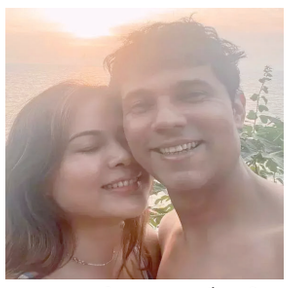

एक्टर रणदीप हुडा और लिन लैशराम ने एक वेडिंग कपल के तौर पर पहला नया साल साथ में सेलिब्रेट किया। लवबर्ड्स ने सोशल मीडिया पर न्यू ईयर वैकेशन की तस्वीरें शेयर कीं। फोटो में रणदीप और लिन सेल्फी के लिए पोज दे रहे हैं और बैकग्राउंड में सनसेट की लुभावनी शाम है। सरबजीत एक्टर ने सिर्फ शॉर्ट्स पहने हुए हैं, जबकि लिन ने मोनोकिनी पहन रखी है। पोस्ट को कैप्शन दिया गया था- 2023 का आखिरी सनसेट। जियोटैग में केरल का कन्नूर था। पोस्ट को रणदीप ने सूरज डूबा हैं गाने का म्यूजिक ऐड किया। इस कपल ने 29 नवंबर को मणिपुर के इंफाल में परिवार के सदस्यों और कुछ दोस्तों की मौजूदगी में पारंपरिक मैतेई रिवाजों से शादी की। इस बीच, वर्कफ्रंट की बात करें तो रणदीप और लिन दोनों अपने प्रोफेशनल लाइफ में काफी बिजी हैं। जहां लिन अपनी फिल्म बन टिक्की की शूटिंग कर रही हैं, वहीं रणदीप अपनी फिल्म के पोस्ट प्रोडक्शन में बिजी हैं।

मेटाबॉलिज्म को बढ़ाकर वजन घटाने में मदद कर सकते हैं ये 5 मसाले

शरीर की रासायनिक प्रतिक्रियाओं को मेटाबॉलिज्म कहा जाता है और यह खाने को ऊर्जा में बदलने का काम करती है, जिससे शरीर को सुचारू रूप से चलाने में मदद मिलती है। अगर आपका मेटाबॉलिज्म तेज होगा तो आप जल्दी कैलोरी बर्न करेंगे और इससे वजन घटाने में मदद मिलेगी। आइए आज हम आपको 5 ऐसे घरेलू मसालों के बारे में बताते हैं, जिन्हें डाइट में शामिल करने से मेटाबॉलिज्म का स्तर बढ़ सकता है।

जीरे का करें सेवन

ज्यादातर सब्जी और दाल के छोंक की पहली सामग्री जीरा कई आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर होता है। खासतौर से जीरे में मौजूद गुण शरीर के मेटाबॉलिक रेट को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। इसके सेवन से ऊर्जा मिलती है और वजन घटाने में भी मदद मिलती है। लाभ के लिए आप सुबह खाली पेट जीरे का पानी पी सकते हैं।

सौंफ से भी होगा फायदा

अगर आप रोजाना माउथ फ्रेशनर के तौर पर जरा-सी सौंफ का सेवन करते हैं तो इससे भी आपको कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं। इसमें मौजूद पोषक तत्व पाचन क्रिया को स्वस्थ रखने और इम्युनिटी बढ़ाने में भी मदद कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त ये मेटाबॉलिज्म को बढ़ाकर वजन कम करने में भी कारगर है।

खाने या दूध में मिलाएं हल्दी

हल्दी कई औषधीय गुणों से भरपूर होती है। इसमें एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो शरीर को कई बीमारियों से बचाने में मदद कर सकते हैं। इस मसाले में मौजूद करक्यूमिन कंपाउंड मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने में मदद कर सकता है, जिससे कैलोरी तेजी से जलती है। लाभ के लिए हल्दी का इस्तेमाल खाने में करें या फिर इसकी थोड़ी मात्रा गुनगुने दूध में मिलाएं।

दालचीनी है प्रभावी

दालचीनी का सेवन भूख को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है, जिससे आप अधिक खाने से बच जाते हैं। यह मसाला मेटाबॉलिज्म को तेज करने में भी प्रभावी है। लाभ के लिए आप इन 5 तरीकों से दालचीनी का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह मसाला हाई ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करके हृदय पर पड़ने वाले अनावश्यक भार को कम कर सकता है। साथ ही यह खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में कारगर है।

अदरक का पाउडर का करें इस्तेमाल

अदरक के पाउडर को डाइट में शामिल करना भी फायदेमंद हो सकता है। नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इंफॉर्मेशन की वेबसाइट पर प्रकाशित एक शोध के अनुसार, इसमें मौजूद थर्मोजेनिक गुण पाचन क्रिया को मजबूत करने के साथ-साथ वसा को कम करने का काम भी करता है। इसके अतिरिक्त यह गुण मेटाबॉलिज्म की कार्यक्षमता को बढ़ाता है, जिससे शरीर में मौजूद अतिरिक्त चर्बी को कम करने में काफी मदद मिलती है।

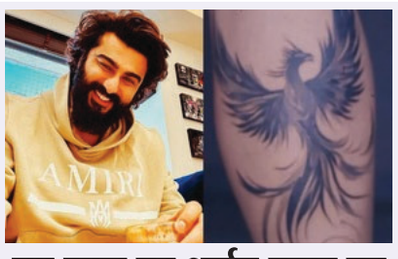

नए साल पर अर्जुन कपूर का नया टैटू, पॉजिटिव सोच के साथ शुरू किया 2024 ईयर

2 स्टेट्स, इशकजादे और मुबारकां के लिए मशहूर बॉलीवुड एक्टर अर्जुन कपूर ने नए साल का स्वागत एक पॉजिटिव सोच के साथ किया। उन्होंने अपने कैल्फ पर एक नया टैटू बनवाया है। इसमें लिखा-राइज।

एक्टर ने मंगलवार को अपने इंस्टाग्राम पर टैटू डिजाइन का एक वीडियो शेयर किया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, हम जो थे उसकी राख से ही हम वह बन सकते हैं जो हमें बनना है। सोशल मीडिया पर अर्जुन का ये टैटू वीडियो काफी वायरल हो रहा है। उनके वीडियो पोस्ट पर एक्टर अभिषेक बचन ने हाथ उठाने वाला इमोजी के साथ अपनी प्रतिक्रिया दी है। अर्जुन को अब से पहले डार्क कॉमेडी फिल्म कुत्ते में देखा गया था। वह जल्द ही एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म में दिखाई देंगे, जिसमें उनके साथ एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर और रकुल प्रीत सिंह होंगी।

करण सिंह ग्रोवर ने दिखाए अपने वॉशबोर्ड एब्स

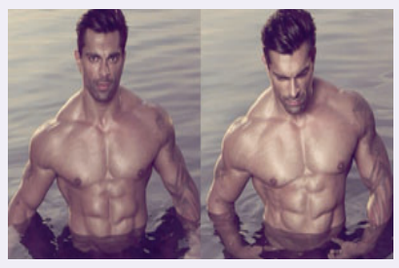

एक्टर करण सिंह ग्रोवर, जो अपनी अपकमिंग फिल्म फाइटर की रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार हैं, ने मंगलवार को अपनी तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें वह अपने टोन्ड बॉडी और वॉशबोर्ड एब्स फ्लॉन्ट कर रहे हैं। करण, जो दिल मिल गए और कुबूल है जैसे शो में अपने काम के लिए जाने जाते हैं, एक फिटनेस फ्रीक हैं और अक्सर सोशल मीडिया पर अपने वर्कआउट रूटीन भी शेयर करते रहते हैं। एक्टर ने कई तस्वीरें शेयर की है, जिसमें वह पानी के बीच में नजर आ रहे हैं और अपने बाइसेप्स, मसल्स और वॉशबोर्ड एब्स दिखा रहे हैं। पोस्ट का टाइटल मेटमोरफोसिस था। करण, जो जल्द ही ऋतिक रोशन-स्टारर फाइटर में दिखाई देंगे, को फैंस से सराहना मिली। एक फैन ने लिखा, आखिरकार ऋतिक को तगड़ा कॉम्पिटिशन मिलेगा। ऋतिक और दीपिका पादुकोण स्टारर फाइटर में करण लीडर सरताज गिल की भूमिका में हैं।

फाइटर सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित और मार्फिलक्स पिक्चर्स के सहयोग से वायाकॉम 18 स्टूडियोज की पेशकश है। फिल्म में अनिल कपूर, अक्षय ओबेरॉय, संजीदा शेख और तलत अजीज भी हैं। यह 25 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

बालों के विकास में मददगार हैं ये 5 बायोटिन युक्त खाद्य पदार्थ

हर महिला चाहती है कि उसके बाल मजबूत, घने और लंबे रहे, लेकिन आजकल के गलत खान-पान और प्रदूषण के कारण बालों से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में बायोटिन की खुराक लेने से बालों का झड़ना कम हो सकता है और आपके बाल मजबूत हो सकते हैं। इसके लिए आप बायोटिन युक्त खाद्य पदार्थों को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। चलिए फिर आज बायोटिन युक्त ऐसे ही 5 खाद्य पदार्थ जानते हैं।

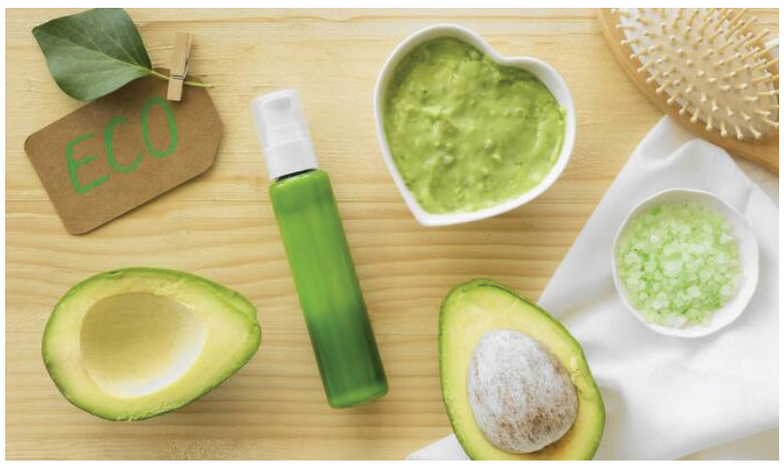

एवोकाडो

एवोकाडो में बायोटिन (जिसमें विटामिन-B की प्रचूर मात्रा होती है) मौजूद होता है। यह बालों का झड़ना कम करता है, बालों की जड़ों को मजबूत बनाता है और विकास में मदद करता है। अगर आप बालों से जुड़ी इन समस्याओं से राहत पाना चाहती हैं तो इस मलाईदार फल को अपनी डाइट में शामिल जरूर करें। खाने के अलावा आप एवोकाडो से ये हेयर मास्क बनाकर भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

शकरकंद

शकरकंद को डाइट में शामिल करना शरीर से लेकर बालों तक के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकता है। दरअसल, इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट और बायोटिन जैसे गुण बालों के विकास को बढ़ावा देने में और मजबूत बनाने में मदद करते हैं। नियमित रूप से इसके सेवन से आपके बाल चमकदार और मुलायम भी होते हैं। इस वजह से शकरकंद को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें।

बादाम

बादाम बायोटिन, विटामिन-E, जरूरी वसा जैसे कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसका सेवन न सिर्फ शारीरिक स्वास्थ्य, बल्कि बालों के स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है। यह बालों को मजबूत और चमकदार बनाने में मदद करता है, इसलिए लंबे और घने बाल पाने के लिए इसे अपनी डाइट में शामिल करना बिल्कुल भी न भूलें। रोजाना भीगे हुए बादाम खाने से ये फायदे भी मिल सकते हैं।

पालक

यह हरी पत्तेदार सब्जी आपके शरीर में आयरन और बायोटिन को बढ़ावा देने के लिए जरूरी है। आयरन की कमी से बालों की जड़ों तक ऑक्सीजन और पोषक तत्व नहीं पहुंच पाते, जिससे बालों का विकास रुक जाता है और बाल कमजोर हो जाते हैं। पालक मौजूद बायोटिन से स्कैल्प में ब्लड सर्कुलेशन ठीक तरह से होता है, जिससे आपके बालों को मजबूती मिलती है। इस कारण अपनी डाइट में पालक और चौलाई जैरी हरी पत्तेदार सब्जियां शामिल करें।

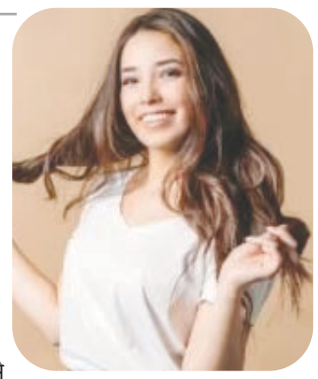

ब्रोकली

ब्रोकली भी बायोटिन और विटामिन का एक बेहतरीन स्रोत है। इसके सेवन से बाल मजबूत होते हैं और विकास को बढ़ावा मिलता है। इसके साथ ही नियमित रूप से इसके सेवन से बेजान और रूखे बालों को सही पोषण मिलता है, जिससे वे मुलायम और चमकदार हो जाते हैं। लाभ के लिए आप ब्रोकली को सलाद, सब्जी आदि जैसे अलग-अलग तरीके से अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-

9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir

BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.

रामा कोचिंग

135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स

आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां

उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई

9827938211, 9827171332

खास खबर

केन्द्र शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लें ग्रामवासी - कलेक्टर

राजनांदगांव। भारत सरकार की योजनाओं से नागरिकों को जागरूक करने एवं शासन की लोकहितैषी योजनाओं से लाभान्वित करने विकसित भारत संकल्प यात्रा की मोबाईल वैन आज डोंगरगांव विकासखंड के ग्राम केशला पहुंची। इस अवसर पर कलेक्टर संजय अग्रवाल विकसित भारत संकल्प यात्रा में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा की मोबाईल वैन के आगमन से ग्राम में विकास को गति मिलेगी। विकसित भारत संकल्प यात्रा अंतर्गत केन्द्र शासन की योजनाओं का लाभ उन व्यक्तियों तक पहुंचाना है, जो अभी तक शासन की योजनाओं से वंचित है। उन्होंने कहा कि ग्रामवासी अधिक से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाएं। इसके साथ ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट योजना का लाभ लें। राजस्व शिविर में नामांतरण, बटवारा के प्रकरणों का निराकरण किया जा रहा है। जिनका फौती हो गया है, उनके वारिसान को जमीन मिल जाएगी। इसके लिए कहीं जाने की जरूरत नहीं होगी, शिविर में इसका लाभ ले सकते हैं। विभिन्न योजनाओं अंतर्गत बैंक से ऋण लेकर व्यवसाय प्रारंभ कर सकत हैं। उन्होंने कहा कि यहां बच्चों का स्कूल अच्छा है। बच्चे हमारे देश के भविष्य हैं। आने वाली पीढ़ी को अच्छी शिक्षा प्रदान करें और पौष्टिक आहार दें। वे हमारे परिवार, समाज और देश के विकास में योगदान देंगे। कलेक्टर जनसामान्य से रूबरू हुए और उन्होंने केन्द्र शासन की योजनाओं के संबंध में उनसे चर्चा की। उन्होंने विभिन्न विभागीय योजनाओं अंतर्गत लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण किया। उन्होंने खाद्य विभाग के स्टॉल में दिव्यांगजनों के लिए राशन कार्ड विशेष तौर पर बनाने के निर्देश दिए।

बालको के शीतकालीन शिविर से सरकारी स्कूलों में शैक्षणिक गुणवत्ता को मिला बढ़ावा

बालकोनगर। भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने अपने परियोजना श्कनेक्टश् के तहत 10वीं और 12वीं के छात्रों के लिए शीतकालीन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विज्ञान, अंग्रेजी, गणित और लेखा (सेमा) विषयों के सत्र पर केंद्रित था जिसका उद्देश्य छात्रों को दैनिक अभ्यास के माध्यम से उन्हें आगामी बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी और भविष्य में करियर चुनाव के लिए तैयार करना था। कार्यक्रम में कुल 140 छात्रों ने पंजीकृत किया था। कक्षा 10वीं और 12वीं के छात्रों के लिए विशेषज्ञों द्वारा करियर परामर्श सत्र भी आयोजित किया गया जिससे छात्रों को करियर के विभिन्न क्षेत्रों और उनके महत्व के विषय को जानने में मदद मिली। विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के बारे में बताया गया जिसके माध्यम से भविष्य में उन्हें करियर चुनने के विकल्प में मदद मिल सके। शिविर के माध्यम से छात्रों के भीतर संगठनात्मक और टीम बिल्डिंग कौशल को बढ़ावा दिया गया जो यह सुनिश्चित करती हैं कि वे टीम के वातावरण में बेहतर ढंग से कार्य करें। इसके साथ-साथ अग्नि सुरक्षा कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। इसमें छात्रों को आग की आपात स्थिति के मामले में प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया करने के लिए जागरूक किया गया।

बरौनी-गोंदिया एक्सप्रेस का रेलवे ने बदला रूट, एक सप्ताह के लिए 30 ट्रेनें रद्द

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत व छत्तीसगढ़ से होकर गुजरने वाली ट्रेनों को लगातार रद्द किया जा रहा है। इस दौरान कुछ ट्रेनों का रूट भी बदल दिया जा रहा है। इसी कड़ी में रेलवे ने गोंदिया-बरौनी-गोंदिया एक्सप्रेस का रूट बदल दिया है। 9 जनवरी से 15 जनवरी तक इसका रूट बदल दिया गया है। यहीं नहीं 30 ट्रेनों को रद्द भी किया गया है। वहीं कुछ ट्रेनों को गंतव्य से पहले की समाप्त किया जा रहा है।

रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल के अंतर्गत अनूपपुर स्टेशन में तीसरी लाइन कनेक्टीविटी हेतु प्री-एनआई व एनआई का कार्य किया जायेगा।

इसके कारण अनुपपुर सेक्शन में मेगा ब्लॉक लिया जा रहा है। इस वजह से इस रूट से गुजरने वाली 30 ट्रेनों को अलग अलग तिथियों में रद्द करने का निर्णय लिया गया है। वहीं गोंदिया से बरौनी वाया दुर्ग, रायपुर होकर जाने वाली ट्रेन का रूट बदल दिया गया है।

दिनांक 8 जनवरी 2024 से 14 जनवरी 2024 तक बरौनी से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 15231 बरौनी- गोंदिया एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग व्हाया कटनी - जबलपुर - नैनपुर - बालाघाट के रास्ते चलेगी। इसी प्रकार 9 जनवरी 2024 से 15 जनवरी 2024 तक गोंदिया से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 15232 गोंदिया - बरौनी एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग व्हाया बालाघाट - नैनपुर - जबलपुर - कटनी के रास्ते चलेगी।

इसके अलावा 10 जनवरी 2024 से 16 जनवरी 2024 तक अम्बिकापुर से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 08750 अम्बिकापुर ङ्क शहडोल मेमू पैसेंजर स्पेशल अनूपपुर स्टेशन में समाप्त होगी तथा अनुपपुर ङ्क शहडोल के मध्य रद्द रहेगी। इसी प्रकार दिनांक 10 जनवरी 2024 से 16 जनवरी 2024 तक शहडोल से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 08749 शहडोल- अम्बिकापुर मेमू पैसेंजर स्पेशल अनूपपुर से प्रारम्भ होगी तथा शहडोल - अनूपपुर के मध्य रद्द रहेगी।

रद्द होने वाली ट्रेनों की सूची

दिनांक 10 जनवरी 2024 से 16 जनवरी 2024 तक चिरमिरी से रवाना होने वाली गाडी संख्या 08269 चिरमिरी-चंदिया रोड पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।

दिनांक 10 जनवरी 2024 से 16 जनवरी 2024 तक चँदिया रोड से रवाना होने वाली गाडी संख्या 08270 चंदिया रोड - चिरमिरी पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।

दिनांक 10 जनवरी 2024 से 16 जनवरी 2024 तक बिलासपुर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 08740 बिलासपुर - शहडोल मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।

दिनांक 10 जनवरी 2024 से 16 जनवरी 2024 तक शहडोल से रवाना होने वाली गाडी संख्या 08739 शहडोल - बिलासपुर मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।

दिनांक 11, 13 व 16 जनवरी 2024 को चिरमिरी से रवाना होने वाली गाडी संख्या 05755 चिरमिरी - अनूपपुर पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।

दिनांक 11, 13 व 16 जनवरी 2024 को अनूपपुर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 05756 अनूपपुर - चिरमिरी पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।

दिनांक 10, 12 व 15 जनवरी 2024 को रीवा से रवाना होने वाली गाडी संख्या 11751 रीवा-चिरमिरी एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

दिनांक 11, 13 व 16 जनवरी 2024 को चिरमिरी से रवाना होने वाली गाडी संख्या 11752 चिरमिरी-रीवा एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

दिनांक 08 जनवरी 2024 से 16 जनवरी 2024 तक बिलासपुर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18234 बिलासपुर-इंदौर नर्मदा एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

दिनांक 09 जनवरी 2024 से 17 जनवरी 2024 तक इंदौर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18233 इंदौर- बिलासपुर नर्मदा एक्सप्रेस रद्द रहेगी ।

दिनांक 07 जनवरी 2024 से 16 जनवरी 2024 तक बिलासपुर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18236 बिलासपुर-भोपाल एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

दिनांक 09 जनवरी 2024 से 18 जनवरी 2024 तक भोपाल से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18235 भोपाल- बिलासपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

दिनांक 09 जनवरी 2024 से 16 जनवरी 2024 तक जबलपुर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 11265 जबलपुर- अम्बिकापुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

दिनांक 10 जनवरी 2024 से 17 जनवरी 2024 तक अम्बिकापुर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 11266 अम्बिकापुर- जबलपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

दिनांक 08 जनवरी 2024 से 16 जनवरी 2024 तक बिलासपुर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18247 बिलासपुर-रीवा एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

दिनांक 09 जनवरी 2024 से 17 जनवरी 2024 तक रींवा से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18248 रीवा-बिलासपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

कलेक्टर ने शहर की यातायात व्यवस्था का किया अवलोकन

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से जिले के नवपदस्थ कलेक्टर अजीत वसंत ने आज शहर के विभिन्न मार्गो व चौक-चौराहों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को निर्देश दिए। इस दौरान निगमायुक्त प्रतिष्ठा ममगाई, एसडीएम कोरबा श्रीकांत वर्मा, लोक निर्माण विभाग, यातायात पुलिस सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री वसंत ने अधिकारियों से शहर में भारी वाहनों के कारण लगने वाले जाम वाले स्थानों की जानकारी लेते हुए सीएसईबी चौक, सर्वमंगला तिराहा, सर्वमंगला-कनकी मार्ग, राताखार मार्ग, मेजर ध्यानचंद चौक, परसाभाठा चौक और रिस्दी चौक का निरीक्षण किया। उन्होंने इन सभी प्वांइट्स से होकर गुजरने वाले भारी वाहनों के संबंध में जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। अवलोकन के दौरान कलेक्टर ने कहा कि भारी वाहनों के कारण यातायात का दबाव और इसके कारण जाम न लगे, इसका ध्यान रखा जाएं। भारी वाहनों के कारण आमजनों को परेशानी न हो और दुर्घटना की स्थिति न बने इसका भी विशेष ध्यान रखते हुए ट्रैफिक प्लान बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने खदान से कोयला लेकर निकलने वाले भारी वाहनों का संचालन निर्धारित रूट से ही करने के निर्देश दिए। वहीं भारी वाहनों के शहर के भीतर प्रवेश मार्गो एवं निकासी प्वाइंट का अवलोकन कर यातायात व्यवस्था बेहतर व सुगम बनाने के निर्देश दिए।

उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि मुख्य मार्गों पर वाहनों को बेतरतीब ढंग से पार्किंग नहीं होना चाहिए ताकि अनावश्यक रूप से यातायात बाधित न हो। जिले से बाहर जाने वाली भारी वाहनों को शहर के आउटर से ही आवागमन की व्यवस्था के निर्देश दिए। उन्होंने सर्वमंगला मंदिर के आगे बन रहे सड़क निर्माण का कार्य जल्द पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

राज्य में 15 जनवरी से मनाया जाएगा सड़क सुरक्षा माह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्य सचिव अमिताभ जैन की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में राज्य सड़क सुरक्षा परिदृश्य की बैठक संपन्न हुई। बैठक में दुर्घटना जन्य सड़क खण्डों, अभियांत्रिकी सुधार, सड़क दुर्घटनाओं में घायलों के त्वरित उपचार की व्यवस्था एवं त्वरित सहायता, यातायात शिक्षा, सड़क सुरक्षा जागरूकता, प्रवर्तन की कार्यवाही, सड़क सुरक्षा ऑडिट सहित सड़क दुर्घटनाओं के नियंत्रण के उपायों के संबंध में मुख्य सचिव ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में सचिव परिवहन एस. प्रकाश ने मुख्य सचिव सहित समस्त अधिकारियों का स्वागत करते हुए राज्य के सड़क सुरक्षा परिदृश्य पर प्रकाश डाला। बैठक में जानकारी दी गई कि राज्य में 15 जनवरी से 15 फरवरी तक सड़क सुरक्षा माह मनाया जाएगा। इस दौरान स्कूलों एवं अन्य संस्थानों में सड़क सुरक्षा के संबंध में जनजागरूकता के लिए विविध कार्यक्रम आयोजित होंगे।

अंतर्विभागीय लीड एजेंसी सड़क सुरक्षा के अध्यक्ष संजय शर्मा ने विभिन्न विभागों के सड़क सुरक्षा संबंधी कार्यो का विश्लेषण प्रतिवेदित करते हुए अवगत कराया कि वर्ष 2023 में बीते वर्ष की तुलना में सड़क दुर्घटनाओं में 1.33 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

जिला रायपुर, बिलासपुर, रायगढ़, कोरबा, दुर्ग, महासमुंद, बलौदाबाजार में राज्य की लगभग 49 प्रतिशत सड़क दुर्घटनाएं घटित हुई है। जिला सड़क सुरक्षा समितियों की 66 बैठकों में सड़क सुरक्षा उपायों के बारे में विमर्श किया गया है। राज्य में कुल 11 हजार 895 जन जागरूकता कार्यक्रम हुए। पुलिस विभाग द्वारा कुल 5,41,407 प्रकरणों में चालानी कार्यवाही कर 22 करोड़ 64 लाख 48 हजार रूपए समन शुल्क वसूल किए गए। 57 ब्लैक स्पॉटस, 2,117 जंक्शन का सुधार किया गया। 31 ट्रक ले-बाय 341 बस ले-बाय एवं 07 ड्रायवर रेस्ट एरिया सहित प्रमुख स्थानों में लगाए गए संकेतकों की जानकारी दी। स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त सचिव ने कहा कि पूर्व के 07 ट्रामा सेंटर्स के अतिरिक्त 02 रायपुर एवं सिमगा के ट्रामा स्टेब्लाईजेशन सेंटर प्रारंभ हो गए हैं। शेष 06 पूर्णता की ओर है।

सचिव शिक्षा ने अवगत कराया कि कक्षा पहली से 10 वीं तक तैयार पाठ्यक्रमों में सड़क सुरक्षा एवं यातायात शिक्षा की पाठ्य सामग्रियों का परिमार्जन का कार्य राज्य शैक्षणिक एवं अनुसंधान परिषद द्वारा किया जा चुका है। सचिव परिवहन ने जानकारी दी कि इंस्टीट्यूट ऑफ ड्रायविंग एण्ड ट्रैफिक रिसर्च में कुल 17,282 वाहन चालकों एवं 700 से अधिक प्रर्वतन अधिकारियों तथा दिसम्बर माह में 200 से अधिक स्कूल बस चालकों को प्रशिक्षण दिया गया हैं।

यूको बैंक का 82वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

बैंक की विभिन्न योजनाओं द्वारा जनता की सेवा करने के समर्पण की झलक दी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। यूको बैंक , अंचल कार्यालय ,रायपुर द्वारा 6 जनवरी 2024 को बैंक का 82 वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के वातावरण में मनाया गया। कार्यालयों व शाखाओं को स्वच्छ कर सुरुचिपूर्ण ढ़ंग से सजाया गया। इस अवसर पर विविधतापूर्ण विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

सर्वप्रथम यूको बैंक के स्टाफ सदस्यों ने आकर्षक रोड शो के माध्यम से बैंक की विभिन्न योजनाओं द्वारा जनता की सेवा करने के समर्पण की झलक दी। इससे बाद अंचल प्रमुख श्रीमती लकि नायक एवं अन्य गणमान्य महानुभावों द्वारा अंचल कार्यालय ,परिसर के बाहर वृक्षारोपण किया गया। पौधारोपण कार्यक्रम के बाद स्टाफसदस्यों की संगोष्ठी हुई। प्रात:कालीन प्रार्थना के बाद बैंक के डायरेक्टर रवि अग्रवाल एवं स्टाफसदस्यों ने केक काटकर स्थापना दिवस का जश्न मनाया। स्टाफ सदस्यों ने एक - दूसरे को शुभकामनाएं व बधाई दीं। सभी स्टाफ सदस्यों ने बैंक के विजन एवं मिशन के अनुरुप सर्वोत्तम ग्राहक सेवा प्रदान कर यूको बैंक को सर्वोत्कृष्ट श्रेणी का बैंक बनाने का संकल्प दुहराया। इस अवसर पर अंचल प्रमुख ने कहा कि बैंक से ही हमारी पहचान है। उन्होंने बेहतर ग्राहक सेवा के माध्यम से ' एक टीम - एक स्वप्न' के साथ बैंक को शिखर पर ले जाते हुए बैंक के विजन एवं मिशन को चरितार्थ करने का आह्वान किया। इस मौके पर अंचल कार्यालय , रायपुर द्वारा रेड क्रॉस सोसाइटी के सौजन्य से रक्तदान शिविर एवं केयर हेल्थ बीमा कंपनी द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए गए। इस शिविर में बैंक के अनेक स्टाफ सदस्यों ने रक्त दान किया एवं सैकड़ों लोगों के स्वास्थ्य की जांच के बाद उन्हें समुचित परामर्श दिए गए। इसके अलावा कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के तहत बैंक द्वारा कुलदीप निगम वृद्धाश्रम परिवार , रायपुर को अलमारी एवं खाद्य समान प्रदान किए गए। इस स्थापना दिवस समारोह में सहायक महाप्रबंधक एन.पी. सिंह, पलाश हलदार, विमल घरामी, तारिणी रंजन मिश्रा , स्वागतम दास , वीएसएसआर मूर्ति, के अलावा बड़ी संख्या में स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

बड़ी संख्या में बैंक के सेवानिवृत्त स्टाफ सदस्यों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। स्थापना दिवस के अवसर पर बैंक की विभिन्न शाखाओं में भी कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। ग्राहक मिलन समारोह एवं कासा शिविर आयोजित किए गए।

विधानसभा के बाद अब लोकसभा चुनाव की तैयारी

दुर्ग जिले में हुआ मतदाता सूची का प्रकाशन, 22 जनवरी तक दावा आपत्ति

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ सहित पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद अब लोकसभा की तैयारियां शुरू हो गई हैं। लोकसभा चुनाव को देखते हुए दुर्ग जिला निर्वाचन विभाग ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। इसकी शुरुआत मतदाता सूची में नाम जोड़ने और काटने का कार्य किया जाना है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी बजरंग दुबे ने इस संबंध में बताया कि भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली और मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छ.ग. रामपुर के निर्देशानुसार निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 1 जनवरी 2024 को मिल गया है। उसी के मुताबिक पूरा कार्यक्रम तय किया गया है।

उन्होंने बताया कि 6 जनवरी शनिवार को मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन किया जा

जा चुका है। 8 फरवरी 2024 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। इसके साथ ही 6 से 22 जनवरी तक कार्यालयीन दिवसों में सभी मतदान केन्द्रों में दावा-आपत्ति प्राप्त करने का कार्य किया जाएगा। दावा-आपत्ति प्राप्त करने के लिए विशेष अभियान दिवस के तहत विशेष शिविर लगाए जाएंगे। 13 जनवरी और 14 जनवरी को भी दावा आपत्ति प्राप्त करने का कार्य किया जाएगा। पुनरीक्षण के समय प्राप्त दावा आपत्ति की सूची वेबसाईट पर उपलब्ध रहेगी। सूची मे आपत्ति होने पर संबंधित निर्वाचक/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के पास आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है।

जानकारी के लिए करें टोल फ्री में काल: यदि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान या मतदाता सूची से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी चाहिए तो उसके लिए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय रायपुर के टोल फ्री नंबर 1950 में कॉल कर सकते हैं।

इसके लिए आपको कार्यालयीन दिवस में सुबह 10 बजे से शाम 5.30 तक ही कॉल करना होगा। यदि मतदाता सूची में नाम जोड़ना, काटना, सुधार करना या फिर दूसरी जगह स्थानान्तरण कराना है तो ये कार्य ऑनलाइन भी किया जा सकता है। इसके लिये आपको फोन के Play Store से Voter Helpline App डाउनलोड करना होगा। या फिर वेबसाइट voters.eci.gov.in पोर्टल में जाकर ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं। इसमें आप ऑनलाइन मतदाता सूची में अपना नाम भी Search कर सकते हैं।

मथुरावासी चाट सेंटर
शादी एवं पार्टियों के आर्डर लिए जाते हैं।
9893283525
जैन पान ठेला के सामने आकाश गंगा सुपेला

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

हत्या के बाद हादसे की रची साजिश एक सप्ताह बाद पकड़ाए आरोपी

दो लोगों की लड़ाई में बीच बचाव करने गया था राहगीर, सभी ने मिलकर उसे ही मार डाला

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले में 31 दिसंबर को दो लोगों की लड़ाई में तीसरे की हत्या हो गई। ये हत्या तीन भाई और एक अन्य ने मिलकर की। इसके बाद मर्डर को चारों आरोपियों ने हादसा बताने की साजिश रची। युवक को अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन डॉक्टर्स ने मृत घोषित कर दिया। पूरा मामला कसडोल थाना क्षेत्र के पुटपुरा गांव का है। पुलिस ने बताया कि आरोपी रवि रजक और रोहित रजक दोनों भाई हैं, जो आपस में लड़ाई कर रहे थे। गांव में शराब बेचने के नाम पर दोनों मारपीट हो रहे थे, तभी रास्ते से गुजर रहे गेंदराम यादव ने दोनों भाइयों की लड़ाई को शांत कराने पहुंचा।

चार लोगों ने मिलकर उतारा मौत के घाट

इस दौरान आपस में लड़ रहे दोनों भाई को अलग किया, जिससे नाराज दोनों भाई गेंदराम को ही मिलकर मारने लगे। इसके साथ ही घर से अपने एक और भाई राजेंद्र रजक और दोस्त कमलेश साहू को भी बुला लिया, फिर चारों ने मिलकर गेंदराम को लात घूंसे और ईंट से सीने पर वार कर मौत के घाट उतार दिया। इस दौरान आरोपियों को लगा कि वह मरा नहीं है, अभी बेहोश है। थोड़ी देर बाद उठ जाएगा, लेकिन जब आरोपी दोबारा उसे देखने आए तो वह उठा नहीं। आनन-फानन में हत्या को छिपाने की साजिश रची। हत्या को सड़क हादसा बताकर उसे अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतक की पत्नी ने भी जताई थी हत्या की आशंका

मृतक की पत्नी ने भी हत्या की आशंका जताई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी युवक की हत्या का खुलासा हुआ, जिसके बाद परिवार और पुलिस के कान खड़े हो गए। अस्पताल में भर्ती कराने लाए युवकों पर पुलिस की शक की सुई घूमी। सभी से पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की तो आरोपियों ने जुर्म कबूल कर लिया। थाना प्रभारी मंजू लता राठौर ने बताया कि आरोपियों ने मर्डर को एक्सीडेंट दिखाने की साजिश रची थी, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या का खुलासा हुआ। पुलिस ने वारदात में शामिल चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। सभी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से कोर्ट ने आरोपी को जेल भेज दिया है।

सरकारी नौकरी लगवाने के नाम पर 12 लाख की धोखाधड़ी

रायपुर (ए)। मंत्रालय और अन्य सरकारी विभाग में ऊंची पहुंच बताकर नौकरी लगाने के नाम पर अलग-अलग लोगों से 12 लाख रुपये ठगने का मामला सामने आया है। नौकरी नहीं लगी तो पीड़ितों से पैसे की मांग की तो आरोपित बोरियाखुर्द मोती नगर झंडा चौक निवासी प्रशांत सोनी ने पैसे देने से मना कर दिया। पीड़ितों ने टिकरापारा थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। आरोपित के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है।

बजरंग चौक निवासी नंदनी धीवर ने रिपोर्ट दर्ज करवाई। उसके अनुसार नंदनी और नीलकंठ गोंड़, गीता देवांगन, घनश्याम देवांगन, मीनाक्षी मिश्रा, सुरेखा शोरी से आरोपितों ने मंत्रालय एवं अन्य विभागों में नौकरी लगाने के नाम पर नकद, फोन पे, चेक के माध्यम से 12 लाख रुपये ले लिए।

आरोपी से पैसे वापस मांगने पर करता रहा टालमटोल

नंदनी धीवर डेढ़ लाख रुपये, सुरेखा शोरी एक लाख 72 हजार रुपये, मीनाक्षी मिश्रा दो लाख 50 हजार रुपये, गीता देवांगन ने तीन लाख 20 हजार रुपये, नीलकंठ गोंड़ ने एक लाख 40 हजार रुपये दिए थे। नौकरी नहीं लगने पर सभी ने पैसे वापस मांगे तो आरोपित टालमटोल करता रहा।

राज्य में 15 जनवरी से मनाया जाएगा सड़क सुरक्षा माह जनजागरूकता के लिए आयोजित होंगे विविध कार्यक्रम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्य सचिव अमिताभ जैन की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में राज्य सड़क सुरक्षा परिदृश्य की बैठक संपन्न हुई। बैठक में दुर्घटना जन्य सड़क खण्डों, अभियांत्रिकी सुधार, सड़क दुर्घटनाओं में घायलों के त्वरित उपचार की व्यवस्था एवं त्वरित सहायता, यातायात शिक्षा, सड़क सुरक्षा जागरूकता, प्रवर्तन की कार्यवाही, सड़क सुरक्षा ऑडिट सहित सड़क दुर्घटनाओं के नियंत्रण के उपायों के संबंध में मुख्य सचिव ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में सचिव परिवहन एस प्रकाश ने मुख्य सचिव सहित समस्त अधिकारियों का स्वागत करते हुए राज्य के सड़क सुरक्षा परिदृश्य पर प्रकाश डाला। बैठक में जानकारी दी गई कि राज्य में 15 जनवरी से 15 फरवरी तक सड़क सुरक्षा माह मनाया जाएगा। इस दौरान स्कूलों एवं अन्य संस्थानों में सड़क सुरक्षा के संबंध में जनजागरूकता के लिए विविध कार्यक्रम आयोजित होंगे।

अंतर्विभागीय लीड एजेंसी सड़क सुरक्षा के अध्यक्ष संजय शर्मा ने विभिन्न विभागों के सड़क सुरक्षा संबंधी कार्यो का विश्लेषण प्रतिवेदित करते हुए अवगत कराया कि वर्ष 2023 में बीते वर्ष की तुलना में सड़क दुर्घटनाओं में 1.33 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। जिला रायपुर, बिलासपुर, रायगढ़, कोरबा, दुर्ग, महासमुंद, बलौदाबाजार में राज्य की लगभग 49 प्रतिशत सड़क दुर्घटनाएं घटित हुई है। जिला सड़क सुरक्षा समितियों की 66 बैठकों में सड़क सुरक्षा उपायों के बारे में विमर्श किया गया है। राज्य में कुल 11 हजार 895 जन जागरूकता कार्यक्रम हुए। पुलिस विभाग द्वारा कुल 5,41,407 प्रकरणों में चालानी कार्यवाही कर 22 करोड़ 64 लाख 48 हजार रुपए समन शुल्क वसूल किए गए। 57 ब्लैक स्पॉटस, 2117 जंक्शन का सुधार किया गया। 31 ट्रक ले-बाय 341 बस ले-बाय एवं 07 ड्रायवर रेस्ट एरिया सहित प्रमुख स्थानों में लगाए गए संकेतकों की जानकारी दी।

स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त सचिव ने कहा कि पूर्व के 07 ट्रामा सेंटर्स के अतिरिक्त 02 रायपुर एवं सिमगा के ट्रामा स्टेब्लाईजेशन सेंटर प्रारंभ हो गए हैं। शेष 06 पूर्णता की ओर है। सचिव शिक्षा ने अवगत कराया कि कक्षा पहली से 10 वीं तक तैयार पाठ्यक्रमों में सड़क सुरक्षा एवं यातायात शिक्षा की पाठ्य सामग्रियों का परिमार्जन का कार्य राज्य शैक्षणिक एवं अनुसंधान परिषद द्वारा किया जा चुका है।

सचिव परिवहन ने जानकारी दी कि इंस्टीट्यूट ऑफ ड्रायविंग एण्ड ट्रैफिक रिसर्च में कुल 17,282 वाहन चालकों एवं 700 से अधिक प्रर्वतन अधिकारियों तथा दिसम्बर माह में 200 से अधिक स्कूल बस चालकों को प्रशिक्षण दिया गया हैं। यातायात नियमों के उल्लंघन कर्ताओं को चलानी कार्यवाही के अलावा प्रशिक्षण लेना अनिवार्य होगा। छत्तीसगढ़ का पहला स्वचालित ड्रायविंग टेस्टिंग ट्रैक तैयार कर लिया गया है, जिसमें कैमरा और सेंसर सिस्टम का इस्तेमाल करते हुए वाहन चालक को परीक्षण देना होगा और निर्धारित मापदंडों एवं समयावधि का पालन करने पर ही ड्रायविंग की दक्षता माप कर लायसेंस जारी होगा। परिवहन विभाग द्वारा गत वर्ष 8,47,006 प्रकरणों मे 161 करोड़ 28 लाख 93 हजार 906 रूपये शमन शुल्क वसूल किए गए। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा 21,886 साइन बोर्ड, 3810 अतिक्रमण हटाये गये।

मुख्य सचिव जैन ने कहा कि ब्लैक स्पॉट सुधार के लिए रणनीति बनाए जाए। समस्त संभागायुक्त एवं पुलिस महानिरीक्षक गण अपने क्षेत्राधिकार के जिलों में सड़क सुरक्षा की गतिविधियों की नियमित मॉनिटरिंग करें। समस्त संबंधित विभागों द्वारा सड़क सुरक्षा संबंधी अद्यतन जानकारी लीड एजेंसी के पोर्टल में अपलोड किया जाए। जिला सड़क सुरक्षा समिति की नियमित बैठक कर सड़क सुरक्षा उपायों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। दो पहिया एवं चार पहिया वाहन चलाने हेतु ड्रायविंग लायसेंस बनाने की प्रक्रिया क्या और कैसी है इस पर शॉर्ट फिल्म बनाया जाकर स्कूली बच्चों को दिखाया जाए। जीपीएस ट्रैकिंग से संबंधित एवं ऑटोमेटिक फिटनेस सेंटर में फिटनेस की प्रक्रिया की शॉर्ट फिल्म बनाकर, एएनपीआर कैमरा मे कैद होने वाले नियमों के उल्लंघन या अपूर्ण दस्तावेज वाले वाहनों को भेजे जाने वाले ई-चालान की प्रक्रिया का भी शार्ट फिल्म बनाकर प्रचार प्रसार किया जाए। बैठक में लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, सचिव स्कूल शिक्षा सिद्धार्थ कोमल परदेशी, सचिव परिवहन एस.प्रकाश, पुलिस, स्वास्थ्य, लोक निर्माण, शिक्षा, नगरीय प्रशासन एवं विकास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, पशुपालन, राष्ट्रीय राजमार्ग सहित विभिन्न विभागो के सचिवों सहित वरिष्ठ अधिकारी तथा समस्त संभागायुक्त एवं रेंज पुलिस महानिरीक्षक शामिल हुए।

धर्मारम और चिंतावागु से सुरक्षाबलों ने दो दिन में बरामद की चार आईईडी, बीडीएस ने किया डिफ्यूज

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। जिले के अंतिम छोर पर स्थित पामेड़ थाना क्षेत्र के धर्मारम व चिंतावागु के बीच नक्सलियों द्वारा प्लांट किये गये चार आईईडी सुरक्षाबल के जवानों ने बरामद किया और बीडीएस की टीम ने उसे सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर दिया। पुलिस के मुताबिक चिंतावागु कैम्प से सीआरपीएफ 151 व पामेड़ थाना की संयुक्त पार्टी द्वारा शुक्रवार की शाम पांच बजे धर्मारम व चिंतावागु नदी के बीच पगडंडी रास्ते से पांच और आठ किलोग्राम के दो आईईडी बरामद किये गए।

वहीं शनिवार की दोपहर दो बजे एरिया डॉमिनेशन के दौरान सुरक्षाबलों की टीम तीन-तीन किलोग्राम की दो आईईडी बरामद की। जिसे सीआरपीएफ 151 बटालियन की बीडीएस टीम द्वारा चारों आईईडी को मौके पर ही निष्क्रिय कर दिया गया। नक्सलियों ने आईईडी कमांड स्वीच सिस्टम से लगाये थे। बता दें कि क्षेत्र में विकास कार्यों में गति लाने व चिंतावागु नदी पर हो रहे पुल निर्माण के लिए चिंतावागु नदी के दोनों ओर सुरक्षा कैम्प स्थापित किया गया है।

सुरक्षाबल के जवान लगातार आसपास के क्षेत्र में सर्चिंग व एरिया डॉमिनेशन कर रहे हैं। ज्ञात हो कि पूर्व में भी नक्सलियों के लगाये आईईडी की चपेट में आने से एक ग्रामीण गंभीर रुप से जख्मी हो गया था। जिसे सुरक्षाबल के जवानों की मदद से उसे तेलंगाना के भद्राचलम अस्पताल पहुंचाया गया था।

बुलेट के शौक ने बना दिया चोर, बाइक चोर को पुलिस ने किया गिरफ्तार, चोरी की बाइक बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा में पुलिस ने शनिवार को बाइक चोरी के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी के कब्जे से पुलिस ने तीन बाइक बरामद की हैं। आरोपी आपस में दोस्त हैं और बुलेट बाइक के शौक ने दोनों को चोर बना दिया। बरामद गाड़ियों की कीमत साढ़े तीन लाख रुपये बताई जा रही है। मामला बेमेतरा कोतवाली का है।

थाने से मिली जानकारी अनुसार प्रकाश सलूजा निवासी बेमेतरा ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि घर के सामने से इसका बुलेट चोरी हो गई है। इस पर एफआईआर दर्ज कर विवेचना में लिया गया। इसके बाद देवानंद मोटवानी ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि उसकी भी बुलेट घर के बाह से चोरी हो गई है। इस मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच में लिया। विवेचना के दौरान मुखबिर कि सूचना पर संदेही पोषण कौशिक जिला कबीरधाम निवासी ग्राम दानीघठोली को अभिरक्षा में लेकर पुछताछ करने पर आरोपी द्वारा अपने एक और अन्य साथी के साथ मिलकर थाना बेमेतरा में चोरी हुए बुलेट मोटर सायकल को चोरी करना स्वीकार किया। इसके अलावा थाना सहसपुर लोहारा जिला कबीरधाम क्षेत्र से होण्डा साईन मोटर सायकल एवं जिस एक्टीवा वाहन में घुम-घुम कर चोरी करते थे उस एक्टीवा वाहन को भी जिला कबीरधाम से चोरी करना स्वीकार किया। इस संबंध में संबंधित थाना को सूचित किया गया है। आरोपी के कब्जे एवं निशादेही पर उक्त बाइक को जब्त किया गया है।

इंस्टाग्राम में हुई दोस्ती, शादी का झांसा देकर किया दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हाय-हेलो कर ही रिश्ते की शुरुआत होने लगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। शहर में इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई फिर दोस्ती प्यार में बदल गई बात शादी तक जा पहुंची, उसके बाद झांसे में लेकर युवक ने दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया घटना के बाद पीड़िता ने इसकी शिकायत पुलिस से की जिसके बाद आरोपी सलाखों के पीछे पहुंच गया है। इंटरनेट युग में सामने आकर आंखें चार करने की आवश्यकता नहीं पड़ती, अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हाय-हेलो कर ही रिश्ते की शुरुआत होने लगी है। ये हाय-हेलो आज कई जिंदगियां बर्बाद कर रहा है। इसी का ताजा उदाहरण है की शादी का झांसा देकर दैहिक शोषण जैसे कृत्य अंजाम दिए जा रहे हैं।

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि इस्ट्राग्राम में दोस्ती हुई और दोनों के बीच बातचीत होने लगी। आरोपी पीड़िता को अपने प्रेमजाल में फंसाकर बाहर मिलने बुलाया दोनों घूमने गए। घूमने के बाद गृह ग्राम छोड़ने जाते समय नशीला पदार्थ पीलाकर जंगल में दुष्कर्म किया। जब युवती होश में आई और इसका विरोध किया तो युवक ने शादी करने की बात कही। जब पीड़िता ने विवाह करने के लिए आरोपी को बोला तो पहले विवाह करने से इंकार किया फिर पीड़िता द्वारा आरोपी के घर जाकर दबाव बनाया। तो आरोपी एक महीने के अंदर विवाह करने की बात किया और बाद में मुकर गया। उरगा थाना प्रभारी युवराज तिवारी ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

आगजनी समेत हत्या की घटना में शामिल दो नक्सली गिरफ्तार, बासागुड़ा और तर्रेम पुलिस की कार्रवाई

बीजापुर। जिले में चलाए जा रहे नक्सल विरोधी अभियान के तहत बासागुड़ा व तर्रेम पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली हैं। कुशवाह ट्रेवल्स की यात्री बस और एक ग्रामीण की हत्या में शामिल दो नक्सल जन मिलिशिया सदस्यों को पकड़ा गया हैं।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक शुक्रवार को बासागुड़ा थाना व कोबरा 210 की संयुक्त टीम द्वारा सारकेगुड़ा तालाब के पास एमसीपी कार्यवाही के दौरान एक मिलिशिया सदस्य लेकाम सोमलू पिता लेकाम बोटी पेद्दागेलूर को पकड़ने में सफलता हासिल की हैं। पकड़ा गया नक्सली 21 दिसम्बर 2023 को बासागुड़ा थाना क्षेत्र के तिम्मापुर के पास कुशवाह ट्रेवल्स यात्री बस में आगजनी की घटना में शामिल था। वहीं शुक्रवार को तर्रेम थाना कोबरा 210 और एसटीएफ की संयुक्त टीम द्वारा मिलिशिया सदस्य पदम हूंगा पिता पदम भीमा उम्र 36 निवासी मंडीमरका थाना जगरगुंडा जिला सुकमा को सिलगेर से पकड़ा गया। पकड़ा गया नक्सली मिलिशिया सदस्य है और वह एक जनवरी 2023 को तर्रेम कुरसमपारा के ग्रामीण के अपहरण व हत्या करने की घटना में शामिल था। पकड़े गए नक्सलियों के विरुद्ध बासागुड़ा व तर्रेम थाना में वैधानिक कार्यवाही के बाद न्यायिक रिमांड पर न्ययालय बीजापुर के समक्ष पेश किया गया है।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

राजेंद्र परगनिहा विधायक प्रतिनिधि मनोनीत

भिलाई। भिलाई नगर विधायक देवेन्द्र यादव ने सेक्टर 2 निवासी श्री राजेंद्र परगनिहा को विधायक प्रतिनिधि मनोनीत किया है। विधायक श्री यादव ने कलेक्टर. भिलाई निगम आयुक्त को पत्र जारी करते हुए बताया कि श्री परगनिहा जिला प्रशासन. के बैठक में विधायक की अनुपस्थिति में शामिल होंगे। बता दें कि परगनिहा बीएसपी के सेवानिवृत्त कर्मचारी हैं। वे बीएसपी कर्मचारियों और श्रमिकों के हित को लगातार प्रबंधन के समक्ष उठाते रहते हैं और निराकरण की दिशा उनके प्रयास सफल भी हुए हैं।

जनहित के कार्य प्राथमिकता से समय मे पुरा हो - आयुक्त

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई आयुक्त के रूप मे देवेश कुमार ध्रुव वे अपना कार्यभार शुक्रवार को ग्रहण किये। उन्होंने आवश्यक दस्तावेजों पर हस्ताक्षर पश्चात निगम सभागार मे सभी जोन आयुक्त एवं विभाग प्रमुखों के साथ बैठक कर परिचय प्राप्त किये और विभागीय कार्यो से अवगत हुए और कहा कि हम सब का उद्देश्य शासन के कार्यो को समय सीमा मे नियमानुसार और व्यवस्थित रूप से सम्पादन करना होगा। कार्य को पुरा करने में कोई समस्या आती.है तो उसकी जानकारी उच्चधिकारियों को देवे। निगम के अधिकारी कर्मचारी अनुशासन मे रह कर टीम भावना से कार्य करें। जनहित के कार्यों को प्राथमिता के पुरा करे। आयुक्त श्री ध्रुव बैठक के बाद मुख्य कार्यालय के सभी विभागों का निरीक्षण कर विभागो मे होने वाले कार्य की बारियो को समझे और कार्यालयीन व्यवस्था को देखा तथा आवश्यक निर्देश दिए।

हेलीपेड पर मुख्यमंत्री साय का आत्मीय स्वागत

दुर्ग। प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आज प्रथम दुर्ग नगर आगमन हुआ। बटालियन हैलीपेड पर जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों व अधिकारियों ने एक-एक गुलाब का पुष्प भेंट कर मुख्यमंत्री जी का आत्मीय स्वागत किये। मुख्यमंत्री जी के साथ श्री ओम माथुर और किरण सिंह देव का भी दुर्ग आगमन हुआ। स्वागत में विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा,गजेंद्र यादव, पूर्व विधायक दयाराम साहू, जागेश्वर साहू, प्रीतम साहू एवं अन्य जनप्रतिनिधि तथा संभाग आयुक्त एस. एन. राठौर, कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी, एसएसपी आर. जी गर्ग सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय का चौक-चौराहों पर भव्य स्वागत

दुर्ग। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी का प्रथम नगर आगमन पर मालवीय नगर चौक और राजेंद्र पार्क चौक पर नगरवासियों ने पुष्प गुच्छ भेंट कर एवं पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत के साथ अपनी भावनात्मक आभार प्रकट किए।

देश का हर बच्चा आधुनिक तकनीक से जुड़े-सरोज पाण्डेय

41 मेधावी छात्राओं को राज्य सभा सांसद ने शिक्षा हेतु टेबलेट वितरण किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। पूरा देश एक नई प्रतिस्पर्धा के लिए तैयारी करने जा रहा है । इस दिशा में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के आर्शीवाद से बच्चियॉ शिक्षा के क्षेत्र में अधुनिक तकनीक में आगे आयें । इस हेतु आज शासकीय आदर्श कन्या विद्यालय की 41 छात्राओं को शिक्षा के लिए टेबलेट का वितरण किया गया।

राज्यसभा सांसद सरोज पाण्डेय की पहल पर विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा में आगे आये इसके लिए टेबलेट प्रदान किया जा रहा है। राज्य सभा सांसद एवं पल फाउण्डेशन के आर्थिक सहयोग से विद्यार्थियों को शिक्षा हेतु टेबलेट वितरण समारोह का आयोजन शासकीय आदर्श कन्या विद्यालय में किया गया था ।

राज्य सभा सांसद ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुये कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी चाहते हैं कि देश का हर बच्चा, हर बिटिया, बेटा अधुनिक तकनीक से जुड़े । उनका बेहतर विकास हो, अधुनिक तकनीक का वे उपयोग करें । बच्चियॉ बहुत समझदार होती है। स्कूल के समय से ही वे सपने बुनते रहती है। आज देश के प्रधानमंत्री जी ने बहुत सारी व्यवस्थाओं को दिया है और कोशिश किया है कि आपको वह सब मिले जिससे आप तरक्की कर सकें । प्रधानमंत्री की सोच अब यथार्थ के धरातल पर दिखायी देता नजर आ रहा है। आपके इस स्कूल से इसकी शुरुआत हुई है। हमारे प्रधानमंत्री जी इस व्यवस्था की नई शुरुआत की है। उन्होनें कहा देश में एक नारा चला था बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ यह कोई नारा नहीं था। जहॉ बेटी होना अभिशाप है वहॉ बेटियों को पढ़ाना उससे बड़ा अभिशाप हो जाता था। बढ़ती बेटियॉ आगे नहीं बढ़ पाती है उनकी कम उम्र में शादी कर दिया जाता है और उन्हें कुछ करने के लिए नहीं होता था। ऐसा अन्य प्रदेशों में होता है। इसलिए देश के प्रधानमंत्री जी ने कहा बेटी को बचाओ, बेटी को पढ़ाओ और बेटी को आगे बढ़ाओ । प्रधानमंत्री की यह सोच आज सार्थक हो रही है।

उन्होनें आगे कहा क्षेत्र कोई भी हो चाहे वह शिक्षा का हो, खेल का हो कभी पीछे मत रहना । चूंकि जो हमारा अधिकार है वह हमारा है इसमें हमें संकोच नहीं करना चाहिए। मेहनत सभी क्षेत्रों में करनी पड़ती है और हम जब मेहनत करेगें तो परिणाम भी हमें मिलेगा । देश में बेटियों को ऊंचाई पर स्थान मिला है उन्हें बराबरी का अधिकार है । हम सौभाग्यशाली है कि प्रदेशों में ऐसी परिस्थितियॉ नहीं है । हम अच्छा पढ़ते हैं, अच्छी मेहनत करते है तो हमारा रिजल्ट भी अच्छा आयेगा। उन्होनें कहा आज जिन लोगों को तकनीकी शिक्षा के लिए टेबलेट दिया जा रहा है आने वाले समय में कोशिश करेगें कि सभी बच्चियॉ मेघावी हो और उन्हें शिक्षा हेतु टेबलेट प्रदान किया जा सके ।

राज्य सभा सांसद ने प्राचार्य महोदय को और उनके स्कूल स्टाफ को इस आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होनें कहा कम संसाधन से स्कूल में बेहतर सुविधा व्यवस्था किया है। स्कूल की जो भी समस्याएँ है आने वाले समय में वह पूरी हो जाए ऐसा पूरा प्रयास किया जाएगा। अगली बार स्कूल बहुत सुंन्दर स्वरुप में होगा । हमारे प्रधानमंत्री जी को भी इस बात के लिए साधुवात देती हूँ कि उन्होनें बच्चियों के लिए विशेष तौर पर हमेशा चिंता किया है। इसमें प्रधानमंत्री जी का ही आर्शीवाद है।

सिंटर प्लांट-3 ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर बनाया नया रिकॉर्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सिंटर प्लांट-3 ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए उत्पादन में नई ऊंचाई दर्ज की। सिंटर प्लांट-3 ने 5 जनवरी 2024 को अब तक का सर्वश्रेष्ठ दैनिक उत्पादन और तीनों शिफ्टों में सर्वश्रेष्ठ उत्पादन रिकॉर्ड दर्ज किया। सिंटर प्लांट-3 ने ए शिफ्ट में अब तक का सर्वश्रेष्ठ 6610 टन सिंटर उत्पादन का रिकॉर्ड दर्ज करते हुए पिछले सर्वश्रेष्ठ 6350 टन को पार किया। बी शिफ्ट में अब तक का सर्वश्रेष्ठ 6770 टन सिंटर उत्पादन दर्ज कर, पिछले सर्वश्रेष्ठ 6510 टन को पार किया। इसी प्रकार सी शिफ्ट में भी अब तक का सर्वश्रेष्ठ उत्पादन 6580 टन दर्ज करते हुए पिछले सर्वश्रेष्ठ 6470 टन को पार कर नया रिकॉर्ड बनाया।

सिंटर प्लांट-3 ने 25 दिसम्बर 2023 को दर्ज पिछले सर्वश्रेष्ठ 19,039 टन की तुलना में 20,053 टन का अब तक का सर्वश्रेष्ठ दैनिक उत्पादन रिकॉर्ड दर्ज किया। इसमें मशीन-2 से उत्पादित 10,430 टन का सर्वश्रेष्ठ दैनिक उत्पादन भी शामिल है, जो 2015 में दर्ज किए गए पिछले सर्वश्रेष्ठ 10,369 टन से अधिक है। 5 जनवरी 2024 को सिंटर प्लांट 2 और 3 ने मिलकर कुल 27,971 टन का अब तक का सर्वश्रेष्ठ दैनिक

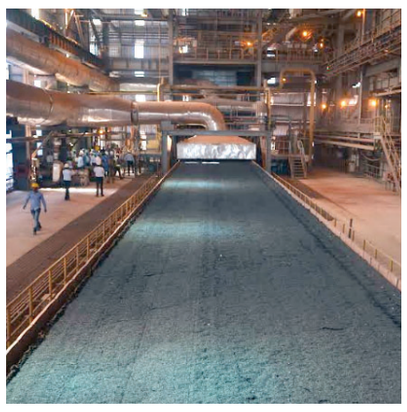

उत्पादन दर्ज कर 25 दिसंबर 2023 को हासिल पिछले सर्वश्रेष्ठ 27,287 टन को पीछे छोड़ा।

भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता और संयंत्र के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए सिंटर प्लांट बिरादरी को बधाई दी। मुख्य महाप्रबंधक (सिंटर प्लाट्स) ए के दत्ता ने भी सिंटर प्लांट बिरादरी को बधाई दी तथा सभी सहयोगी विभागों को एसपी-3 को प्रदर्शन के उच्चतम स्तर तक पहुंचाने में सहयोग हेतु धन्यवाद दिया।

सेल को मिला पटना मेट्रो प्रोजेक्ट का कांट्रेक्ट बीएसपी करेगा आर-260 ग्रेड रेल की आपूर्ति

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड को पटना मेट्रो परियोजना के लिए रेल की आपूर्ति हेतु दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) से एक कांट्रेक्ट मिला है। इस कांट्रेक्ट के तहत भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा 1200 टन आर-260 ग्रेड रेल की आपूर्ति की जाएगी।

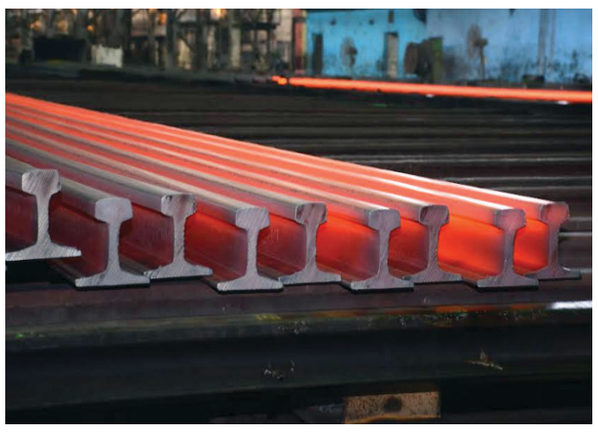

इस कांट्रेक्ट के दायरे में सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा 13 मीटर लंबाई में 1200 टन आर-260 रेल की आपूर्ति करना शामिल है। संयंत्र के रेल एंड स्ट्रक्चरल मिल में उत्पादित इन रेल्स का उपयोग पटना मेट्रो परियोजना के अंतर्गत बनने वाले नए आईएसबीटी डिपो के भीतर ट्रैक स्थापना हेतु किया जाएगा।

विष्व के सबसे बड़े रेल उत्पादक व आपूर्तिकर्ताओं में से एक सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र गुणवत्ता, ग्रेड, प्रोफ़ाइल और लंबाई के विनिर्देशों के अनुसार भारतीय रेलवे को विश्व स्तरीय रेल की आपूर्ति करता आ रहा है।

भारतीय रेलवे स्वयं को आधुनिक और उन्नत करने हेतु दृरुत-गति रेल परिवहन के लिए, सेल से हाई एक्सल लोड के साथ माइक्रो-अलॉय रेल स्टील का उत्पादन करने की मांग की थी। इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए, सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा विकसित नए 60 ई-1 प्रोफ़ाइल के साथ आर-260 ग्रेड रेल की यूनिवर्सल रेल मिल और रेल एंड स्ट्रक्चरल मिल से रोलिंग कर, भारतीय रेलवे को आपूर्ति की जा रही है।

यूरोपीय स्पेसीफ़िक्केषन से भी अधिक विशिष्टताओं से युक्त रेल का यह नया ग्रेड हाई स्पीड ट्रेन और हाई एक्सल लोड वहन करने में सक्षम है।

पटना मेट्रो, पटना शहर में एक निर्माणाधीन एमआरटीएस लाइन है, जिसे 5 चरणों में पूरा किया जाएगा। इस परियोजना का स्वामित्व और संचालन का अधिकार पटना मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के अंतर्गत है। 30.91 किमी लंबी पटना मेट्रो परियोजना फ़ेज-1 के लिए नए आईएसबीटी डिपो का निर्माण कार्य चल रहा है। इस सुविधा का उपयोग पटना मेट्रो की लाइन-1 (दानापुर छावनी-खेमनीचक) और लाइन-2 (पटना जंक्शन रेलवे स्टेशन-न्यू आईएसबीटी) पर चलने वाली ट्रेनों के लिए मेंटेनेंस और स्टेबलिंग प्वाइंट के रूप में किया जाएगा।

जेवरा सिरसा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में एक्सटेंशन एक्टिविटी का हुआ प्रभावशाली आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर पीजी स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग के भौतिक शास्त्र सोसाइटी एवं भौतिकी विभाग द्वारा स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय जेवरा सिरसा में स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों द्वारा शुक्रवार, 5 जनवरी 2024 को एक्सटेंशन एक्टिविटी का आयोजन किया गया।माननीय प्रधानमंत्री महोदय की विकसित भारत की अभिकल्पना को साकार करने हेतु आज कक्षा 11वी एवं 12वी के विद्यार्थियों को भौतिक शास्त्र की विभिन्न अवधारणाओं को प्रयोग के माध्यम से समझाया गया।

इसके साथ ही कक्षा नवमीं,दसवीं के विद्यार्थियों हेतु विज्ञान क्विज का आयोजन किया गया जिसे रोचक एवं प्रभावी तरीके से स्मार्ट क्लास में संचालित किया गया। विद्यार्थियों ने खेल खेल मे क्विज के माध्यम से विज्ञान से संबंधित तथ्यों को न सिर्फ समझा और प्रसन्नतापूर्वक व आनंदपूर्वक इस प्रतियोगिता में भाग लिया अपितु उत्साह पूर्ण प्रतिभागिता भी दर्शाई । गौर तलब है कि विद्यार्थियों के मध्य वैज्ञानिक अवधारणा को प्रयोग के माध्यम से तथा एक्टिविटी के माध्यम से समझाने हेतु तथा विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण वैज्ञानिक क्षमता ,वैज्ञानिक अभिवृत्ति विकसित करने के लिए भौतिकी विभाग द्वारा आयोजित किया गया एक अभिनव कार्यक्रम था। प्राचार्य डॉ. सिद्दकी सर ने स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों को भविष्य के वैज्ञानिक तैयार करने हेतु अपना योगदान देने के लिए सराहना की।इस कार्यक्रम में भौतिकी विभाग की विभाग अध्यक्ष डॉ.(श्रीमती) जगजीत कौर सलूजा, डॉ. आर एस सिंग, डॉ. अनीताशुक्ला,डॉ सीतेश्वरी चंद्राकर, डॉ.अभिषेक मिश्रा, डॉ. कुसुमांजलि देशमुख, भूपेंद्र दास के मार्गदर्शन में तथा प्राचार्य जेवरा सिरसा श्रीमती ज्योत्सना गुप्ता , भौतिकी व्याख्याता श्रीमती सपना सोनी के निर्देशन में तथा श्रीमती चंचल टिकरिहा, श्रीमती भारती बिष्ट,श्रीमती लेखा कंवर ,श्रीमती राजभारती शर्मा तथा समस्त स्टाफ के सहयोग से इस एक्सटेंशन एक्टिविटी का सफल आयोजन किया गया।

मेंटेनेंस के लिए टाउनशिप में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवाएँ विभाग के अन्तर्गत टाउन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा वार्षिक रखरखाव योजना 2023-2024 के तहत टाउनषिप में विद्युतीय मेंटेनेंस एवं अनुरक्षण कार्य संपादित किये जा रहे हैं। ब्रेकडाउन को कम करने और सिस्टम की दक्षता बढ़ाने के लिए विद्युत सिस्टम के यथोचित रखरखाव पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

दिसंबर 2023 से मार्च 2024 के दौरान एचटी सिस्टम के निवारक रखरखाव के लिए टाउनषिप के विभिन्न स्थानों में योजनाबद्ध शटडाउन किया जाएगा। इस वार्षिक रखरखाव योजना के अंतर्गत सबस्टेशन, टैपिंग, डीपी और मेंटेनेंस, ओवरहालिंग, ओवर हेड लाइनों का मेंटेनेंस, जम्पर कसना, क्षतिग्रस्त पिन को बदलना, डिस्क इंसुलेटर और लाइटनिंग अरेस्टर, ट्रांसफार्मर का मेंटेनेंस आदि कार्य किये जायेंगे। यह कार्य प्रतिदिन योजनानुसार पूर्ण किये जाते हैं। इस कार्य के तहत टाउनषिप में 08 जनवरी 2024 से 13 जनवरी 2024 के मध्य विभिन्न स्थानों में विद्युत आपूर्ति प्रभावित रहेंगी।

तिथि अनुसार प्रभावित होने वाले क्षेत्र हैं:- 08 जनवरी 2024 को बत्तीस बंगला व सेक्टर-7 के कुछ हिस्से, 09 जनवरी 2024 को सेक्टर-7 के कुछ हिस्से व सेक्टर-8, 10 जनवरी 2024 को सेक्टर-05 व इंदिरा प्लेस (सिविक सेंटर), 11 जनवरी 2024 को सेक्टर-6 व रसियन कॉम्प्लेक्स के कुछ हिस्से, 12 जनवरी 2024 को रिसाली सेक्टर तथा 13 जनवरी 2024 को जेएलएन हॉस्पिटल।

बीएसपी खदानों के आसपास आदिवासी क्षेत्रों के 78 सरकारी स्कूलों में 3410 स्कूली बच्चे गिफ्ट मिल्क योजना से हो रहे हैं लाभान्वित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के रावघाट, दुल्की और महामाया खदानों के आसपास के 51 बफर जोन गांवों के कुल 78 प्राथमिक और माध्यमिक सरकारी स्कूलों में एनरोल्ड, कुल 3410 स्कूली बच्चे गिफ्ट मिल्क योजना से लाभान्वित हो रहे हैं। इन स्कूली बच्चों को प्रत्येक स्कूल कार्य दिवस पर, भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा, फोर्टिफाइड दूध उपलब्ध कराया जा रहा है। विटामिन ए और डी से भरपूर 200 मिलीलीटर फ्लेवर्ड दूध की आपूर्ति और वितरण के लिए सेल-बीएसपी और एनडीडीबी फाउंडेशन फॉर न्यूट्रिशन (एनएफएन) के बीच, मार्च 2023 में एक एमओयू साइन किया गया था।

गिफ्ट मिल्क योजना का लाभ उठाने वाले कुल विद्यार्थियों में लगभग 52: विद्यार्थी लड़कियां हैं। स्कूलों में एनरोल्ड विद्यार्थियों में, लगभग 83: विद्यार्थी अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अनुसूचित जाति (एसटी) समुदाय से हैं। स्कूलों में एनरोल्ड 3410 विद्यार्थियों में से, 2764 विद्यार्थी एसटी समुदाय से और 71 विद्यार्थी एससी समुदाय

से हैं। वर्तमान में स्कूलों में वितरित किये जाने वाले दूध की औसत दैनिक आपूर्ति, 3353 यूनिट प्रतिदिन है। अप्रैल 2023 को इस योजना के उद्घाटन के बाद से, गिफ्ट मिल्क की 3,23,000 से भी अधिक यूनिट की आपूर्ति की जा चुकी है।

एमओयू के अनुसार, इस योजना हेतु सेल-बीएसपी, एनएफएन को वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। छत्तीसगढ़ के कांकेर, नारायणपुर, मोहला-मानपुर अम्बागढ़ चैकी, बालोद जिलों के रावघाट माइंस के आदिवासी क्षेत्र के आसपास के बफर जोन के गांवों के अलावा, दुल्की के आसपास के गांवों में 15 स्कूल, महामाया के आसपास के गांवों में 12 स्कूल शामिल है, जहां दूध वितरित किया जा रहा है। सेल-बीएसपी द्वारा, निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के अंतर्गत गिफ्ट मिल्क योजना द्वारा, स्कूलों में कुपोषण की समस्या का समाधान किया जा रहा है।

सेल-बीएसपी द्वारा गिफ्ट मिल्क परियोजना के लाभार्थी स्कूलों के सम्बन्ध में निर्णय एवं आवश्यक जानकारीध् विवरण प्राप्त करने हेतु जिला शिक्षा अधिकारियों की अनुशंसा से किया जा रहा है।

विद्यार्थियों, प्रधानाध्यापकों और आदिवासी समुदाय से प्राप्त प्रतिक्रिया के अनुसार क्षेत्रों में कार्यक्रम का सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। विद्यार्थी फ्लेवर्ड दूध का आनंद लेते हैं और प्रतिदिन इसका बेसब्री से इंतजार करते हैं। कार्यक्रम के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए, प्रत्येक गाँव में जहाँ दूध वितरित किया जा रहा है, सूचनात्मक और शिक्षाप्रद बैनर वितरित किए गए हैं।

एमओयू में निर्धारित शर्तों के अनुसार, सेल-बीएसपी 96,00,000/- रुपये तक की राशि प्रदान करने पर सहमत हुआ। जबकि एनएफएन की भूमिका गुणवत्ता वाले दूध की आपूर्ति करना और चयनित स्कूलों में स्कूली बच्चों के बीच गुणवत्ता वाले 'गिफ्टमिल्क' का सुचारू वितरण सुनिश्चित करना और उसका रिकॉर्ड रखना है। स्कूल के प्रधानाध्यापकों के माध्यम से दूध के दैनिक वितरण और उसके कुल उपभोग की व्यवस्था की गई है।

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग में सेमेस्टर परीक्षाओं का केन्द्रीय मूल्यांकन आरंभ

तीन दिनों में 50 मूल्यांकनकर्ता प्राध्यापकों द्वारा 6 हजार उत्तरपुस्तिकाएं मूल्यांकित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग में सेमेस्टर परीक्षाओं का केन्द्रीय मूल्यांकन आरंभ हो गया। विश्वविद्यालय की कुलपति, डॉ. अरूणा पल्टा तथा कुलसचिव, भूपेन्द्र कुलदीप की उपस्थिति में विश्वविद्यालय परिसर में 03 पृथक-पृथक हॉल में केन्द्रीय मूल्यांकन आरंभ हुआ। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण, डॉ. प्रषांत श्रीवास्तव ने बताया कि वर्तमान में जारी केन्द्रीय मूल्यांकन के अंतर्गत बीएड तृतीय सेमेस्टर, एमएड तथा एमए, एमकॉम तथा एमएससी की प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर की उत्तरपुस्तिकाएं मूल्यांकित की जा रही है। शनिवार तक लगभग छः हजार उत्तरपुस्तिकाएं मूल्यांकित की जा चुकी थीं। विश्वविद्यालय की कुलपति, डॉ. अरूणा पल्टा स्वयं केन्द्रीय मूल्यांकन कक्षों का निरीक्षण लगातार कर रही हैं। प्रथम दिवस में कुलपति, डॉ. पल्टा ने सभी मूल्यांकनकर्ताओं को मूल्यांकन संबंधी आवष्यक दिषा-निर्देष दिये तथा छात्रहित में निष्ठापूर्वक मूल्यांकन कार्य संपादित करने का आग्रह किया।

डॉ. श्रीवास्तव के अनुसार अभी तक दुर्ग विष्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले 07 जिलों के लगभग पन्द्रह हजार उत्तरपुस्तिकाएं मूल्यांकन हेतु विष्वविद्यालय में प्राप्त हो चुकी है। सोमवार तक लगभग 25 हजार उत्तरपुस्तिकाओं के विष्वविद्यालय में प्राप्त होने की आषा है।

इस बार केन्द्रीय मूल्यांकन में शासकीय महाविद्यालयों के स्नातकोत्तर कक्षाओं में अध्यापन कार्य करने वाले लगभग 70 प्रतिषत् तथा निजी महाविद्यालयों के स्नातकोत्तर कक्षाओं में अध्यापन करने वाले 30 प्रतिषत् प्राध्यापकों को प्रथम चरण में केन्द्रीय मूल्यांकन हेतु आमंत्रित किया गया हैं।

डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि 10 जनवरी तक सेमेस्टर परीक्षाओं के अधिकांष बड़े छात्र संख्या वाले विषयों की परीक्षाएं समाप्त हो जायेगी। इसके पश्चात् केन्द्रीय मूल्यांकन हेतु मूल्यांकनकर्ताओं की संख्या में वृद्धि की जायेगी। तीनों मूल्यांकन केन्द्रों में केन्द्रीय मूल्यांकन सुचारू रूप से संचालित करने हेतु विष्वविद्यालय के अधिकारियों को दायित्व सौंपा गया है। प्रातः 11:00 से शाम 5:00 बजे के मध्य चलने वाले मूल्यांकन कार्य में सहयोग हेतु विष्वविद्यालय के 12 तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950